संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

■ वर्ष -17 ■ अंक-105 ■ रायपुर, शनिवार 12 सितंबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-1.50 रुपये

आज का पंचांग

वारः शनिवार
तिथिः भाद्रपद शुक्ल प्रतिपदा
पक्षः शुक्ल पक्ष
मासः भाद्रपद (शुक्ल पक्ष)
ऋतुः वर्षा ऋतु
विक्रम संवतः 2083
शक संवतः 1948
नक्षत्र, योग और करण
नक्षत्रः उत्तराफाल्गुनी दोपहर 12:55 तक, तत्पश्चात हस्त।
योगः शुभ दोपहर 03:09 तक, तत्पश्चात शुक्ल।
करणः बव सुबह 07:46 तक, तत्पश्चात बालव।
चन्द्र राशिः कन्या राशि में
सूर्य राशिः सिंह राशि में
पंचकः आज पंचक नहीं है।
अभिजीत मुहूर्तः दोपहर 12:10 से 12:59 तक।
राहुकालः सुबह 09:30 से 11:02 तक

अस्पताल की पहली मंजिल से कूदा आरक्षक, इलाज के दौरान मौत

रायपुर। राजधानी रायपुर में एक आरक्षक ने निजी अस्पताल की पहली मंजिल से कूदकर खुदकुशी कर ली।घटना पंडरी थाना क्षेत्र की है। मिली जानकारी के मुताबिक, आरक्षक वेद नारायण राम हार्ट की सर्जरी कराने के लिए निजी अस्पताल में भर्ती हुए थे। बताया जा रहा है कि बीमारी से परेशान होकर आरक्षक ने अस्पताल की पहली मंजिल से छलांग लगा दी। घटना के बाद अस्पताल में हड़कंप मच गया। आरक्षक को तत्काल उपचार के लिए भर्ती कराया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पंडरी पुलिस मौके पर पहुंची। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हसदेव नदी में डूबने से तीन युवकों की मौत

जांजगीर-चाम्पा। पिकनिक मनाने देवरी पहुंचे तीन युवकों की हसदेव नदी में डूबने से मौत हो गई. देवरी के कोटवार ने पंतोरा पुलिस को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद नगर सेना की बचाव टीम को रवाना किया गया है.घटना पंतोरा चौकी क्षेत्र स्थित गांव देवरी चिचोली की है. जानकारी के अनुसार, बिलासपुर के सरकंडा क्षेत्र से युवक पिकनिक मनाने के लिए पहुंचे थे. हसदेव नदी में तैरते समय बीच में बने भंवर फंसकर युवकों की डूबने से मौत हो गई.

नेशनल हेराल्ड मामले में अब 9 अक्टूबर को होगी सुनवाई

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और अन्य के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की आपराधिक पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई टाल दी। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 9 अक्टूबर को तय की है। जस्टिस मनोज जैन की एकल पीठ ने मामले को स्थगित करते हुए अगली तारीख निर्धारित की।

ईडी ने राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश के 16 दिसंबर 2025 के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें अदालत ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दायर ईडी की अभियोजन शिकायत पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया था।

नागपुर-रायपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भीषण हादसा

खड़े ट्रक से टकराई बोलेरो, छत्तीसगढ़ के 9 यात्रियों की मौत

भंडारा ■ एजेंसी

महाराष्ट्र के भंडारा जिले में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में 9 यात्रियों की मौत हो गई। मरने वालों में 6 महिलाएं और 3 बच्चे शामिल हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल के लिए भेजा। यह हादसा भंडारा जिले के पिंपलगांव के पास नागपुर-रायपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ, जहां बोलेरो गाड़ी खड़े ट्रक से जा टकराई।

शुरुआती जानकारी में पता चला है कि बोलेरो गाड़ी में 16 से 17 लोग सवार थे। सभी लोग छत्तीसगढ़ से तीज त्योहार के लिए नागपुर जा रहे थे। टक्कर के बाद घटनास्थल पर चीख पुकार मच गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय नागरिकों और राहगीरों की मदद से घायलों को वाहनों से बाहर निकाला। इसके बाद सभी घायलों को अस्पताल भेजा गया। हालांकि, 8 लोगों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी, जिनके शवों को पुलिस ने अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। वहीं, इलाज के लिए नागपुर ले जाई जा रही एक महिला की रास्ते में ही मौत हो गई। इससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 9 हो गई। मृतकों में चार लोग एक ही परिवार के सदस्य थे, जबकि अन्य की पहचान की जा रही है। मरने वाले बच्चों की उम्र 5 साल से कम थी। वहीं, गाड़ी चालक समेत अन्य कई लोग घायल हैं। ड्राइवर और 3 बच्चों को भंडारा

मेडिकल कॉलेज व अन्य घायलों को नागपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। डॉक्टर लक्ष्मीकांत शहारे ने बताया कि मुंडिपार और पिंपलगांव के बीच हादसा। वहां रात के समय एक खड़ा ट्रक था। करीब 3 बजे, खड़े ट्रक को एक बोलेरो कार ने टक्कर मार दी। घायल लोगों का पहले हमारे साकोली स्थित अस्पताल में इलाज हुआ, वहां से उन्हें भंडारा रेफर किया गया। भंडारा से कुछ लोगों को नागपुर जीएमसी के लिए रेफर किया गया। एक व्यक्ति ने बताया कि सभी लोग छत्तीसगढ़ से नागपुर आ रहे थे। ये तीज के त्योहार में जा रहे थे। उनमें से 9 लोगों की मौत हो चुकी है। मरने वालों में मेरी भांजी सरिता वर्मा भी है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जताया गहरा शोक

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने महाराष्ट्र के भंडारा जिले में नागपुर-रायपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई भीषण सड़क दुर्घटना में छत्तीसगढ़ के नागरिकों के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोकसंतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार एवं स्थानीय प्रशासन से निरंतर समन्वय किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि घायलों के समुचित उपचार और प्रभावित परिवारों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के लिए छत्तीसगढ़ से अधिकारियों की एक टीम घटनास्थल के लिए भेज दी गई है।

छत्तीसगढ़ सरकार इस कठिन समय में प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है और उन्हें हरसंभव सहायता प्रदान की जाएगी।

हर पात्र परिवार को समय पर और पूरा राशन मिले किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो : सीएम साय

आमानारा में पहाड़ी कोरवा परिवारों को राशन नहीं मिलने की शिकायत को मुख्यमंत्री ने गंभीरता से लिया

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से प्रत्येक पात्र परिवार को उसके अधिकार का पूरा राशन समय पर मिलना सुनिश्चित किया जाए। विशेष रूप से पहाड़ी कोरवा सहित विशेष पिछड़ी जनजातियों और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों को राशन प्राप्त करने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। राशन वितरण में लापरवाही या अनियमितता पाए जाने पर जिम्मेदारी तय कर तत्काल कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली की नियमित निगरानी के निर्देश देते हुए कहा कि शासन द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा खाद्यान्न वास्तविक हितग्राही तक निर्धारित मात्रा में और समय पर पहुंचे, यह संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी है। विशेष पिछड़ी

जनजातियों की बसाहटों में अधिकारी अतिरिक्त संवेदनशीलता के साथ राशन की उपलब्धता और वितरण की निगरानी करें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ क्षेत्र अंतर्गत आमानारा गांव में पहाड़ी कोरवा परिवारों को राशन नहीं मिलने की शिकायत को गंभीरता से लिया। उन्होंने रायगढ़ कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी से दूरभाष पर चर्चा कर पूरे प्रकरण की जानकारी ली और प्रभावित पात्र परिवारों को तत्काल राशन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कलेक्टर से कहा कि शिकायत से जुड़े वितरण अभिलेखों की समुचित जांच की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र परिवार अपने हक के खाद्यान्न से वंचित न रहे। ई-पॉस मशीन में दर्ज वितरण और हितग्राहियों को वास्तव में दिए गए खाद्यान्न का मिलान कर किसी प्रकार की अनियमितता सामने आने पर जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

जिला कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने मुख्यमंत्री श्री साय को अवगत कराया कि शिकायत सामने आते ही मामले की जांच कराई गई। जांच में शिकायत सही पाए जाने पर संबंधित राशन दुकान को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही पहाड़ी कोरवा परिवारों एवं अन्य हितग्राहियों को राशन मिलने में कोई व्यवधान न आए, इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में चिड़ोडी की राशन दुकान से संबद्ध किया गया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने निर्देश दिए कि इस प्रकरण में आवश्यक कार्रवाई के साथ ही जिले की सार्वजनिक वितरण प्रणाली की सतत निगरानी की जाए, ताकि ऐसी स्थिति की पुनरावृत्ति न हो। हर हितग्राही को समय पर और गुणवत्ता के साथ राशन वितरण सुनिश्चित हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक सहज, पारदर्शी और समयबद्ध रूप से पहुंचाना हमारी सुशासन सरकार की प्राथमिकता है। प्रत्येक पात्र परिवार को उसका अधिकार बिना किसी बाधा के मिले, इसके लिए अधिकारी संवेदनशीलता, तत्परता और जवाबदेही के साथ कार्य करें।

छग में आज मिले स्वाइन फ्लू के 30 नए मरीज

रायपुर में सबसे ज्यादा केस, कुल आंकड़ा 407 पहुंचा

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी ताजा रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश में आज स्वाइन फ्लू के 30 नए मरीज मिले हैं। नए मामलों के साथ प्रदेश में स्वाइन फ्लू के कुल मरीजों की संख्या बढ़कर 407 हो गई है।

स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, रायपुर में आज सबसे ज्यादा 13 नए मरीज मिले हैं। इसके साथ ही जिले में 1 जनवरी 2026 से अब तक स्वाइन फ्लू के कुल 176 मामले सामने आ चुके हैं, जो प्रदेश में सबसे अधिक हैं। आज बेमेतरा में 6, दुर्ग में 6, कोरबा में 2, बलौदाबाजार में 1, गरियाबंद में 1 और राजनांदगांव में 1 नया मरीज मिला है। वहीं रायपुर में

13 नए मरीज मिले हैं। इस तरह प्रदेश में आज कुल 30 नए पॉजिटिव मरीज सामने आए हैं। प्रदेश में वर्तमान में स्वाइन फ्लू के 138 एक्टिव मरीज हैं।

इनमें 47 मरीजों का होम आइसोलेशन में इलाज जारी है, जबकि 91 मरीज अस्पताल में भर्ती हैं। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, 1 जनवरी 2026 से 11 सितंबर 2026 तक छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू के कुल 407 पॉजिटिव मरीज मिल चुके हैं।

इनमें से अब तक 138 मरीज एक्टिव हैं। सबसे ज्यादा कुल मामले रायपुर में 176 दर्ज किए गए हैं। इसके बाद दुर्ग में 48, बिलासपुर में 42, कोरबा में 23, महासमुंद में 17 और रायगढ़ में 15 मामले सामने आए हैं। वहीं अन्य राज्यों से अब तक 12 पॉजिटिव मामले दर्ज किए गए हैं।

गुरु बालदास के बड़े बेटे और मंत्री खुशवंत साहब के भाई ढाल दास ने थामा कांग्रेस का हाथ

रायपुर ■ दैनन्दिनी

सतनामी समाज के प्रमुख धर्मगुरु गुरु बालदास के बड़े पुत्र एवं मंत्री खुशवंत साहब के बड़े भाई ढाल दास ने कांग्रेस पार्टी का दामन थाम लिया है। पूर्व सीएम के रायपुर निवास में आयोजित कार्यक्रम में भूपेश बघेल ने कांग्रेस में शामिल होने पर पार्टी का गमछा पहनाकर ढाल दास का स्वागत किया। उनके कांग्रेस प्रवेश से प्रदेश की सियासत में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। ढाल दास के कांग्रेस में शामिल होने को राजनीतिक तौर पर महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। उनके परिवार की सामाजिक और राजनीतिक पृष्ठभूमि को देखते हुए कांग्रेस में उनका प्रवेश पार्टी के लिए भी अहम माना जा रहा है।

गौरतलब है कि गुरु बालदास का सतनामी समाज में प्रभाव माना जाता है, जबकि उनके पुत्र खुशवंत साहब वर्तमान भाजपा सरकार में मंत्री हैं। ऐसे में परिवार के वरिष्ठ सदस्य ढाल दास के कांग्रेस में शामिल होने से प्रदेश की राजनीति में इसके संभावित असर को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चा शुरू हो गई है।

सतनामी समाज के प्रमुख धर्मगुरु गुरु बालदास साहेब का परिवार बाबा गुरु घासीदास के वंश (गुरुद्वारा भंडारपुरी धाम) से ताल्लुक रखता है। छत्तीसगढ़ के सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य में इस गुरु परिवार का बहुत बड़ा प्रभाव माना जाता है।

वंदे मातरम पर कर्नाटक सरकार के फैसले पर बिफरे केंद्रीय मंत्री शिवराज

'संविधान की धज्जियां उड़ा रही है कांग्रेस'

रायपुर ■ दैनन्दिनी

कर्नाटक सरकार के वंदे मातरम को लेकर लिए गए निर्णय पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपना रोष जाहिर करते हुए कहा कि कांग्रेस संविधान की धज्जियां उड़ा रही है. संसद में विधेयक को पारित कर वंदे मातरम पर कानून बना है. कर्नाटक सरकार का फैसला अलोकतांत्रिक है. कांग्रेस सरकार का यह फैसला भारत माता का अपमान है.

सक्ती जिले के ग्राम जेठा में आयोजित PM आवास और लखपति दीदी सम्मान कार्यक्रम में शामिल होने रायपुर पहुंचे केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मीडिया से चर्चा की.

कार्यक्रम को लेकर उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में भाजपा को बहुत प्यार दिया. छत्तीसगढ़ में विकास की बाजार बह रही है. कका और कांग्रेस ने मिलकर छत्तीसगढ़ को तबाह किया था.

उन्होंने कहा कि भाजपा ने गरीबों को मकान का अधिकार दिया. 3 लाख 65 हजार से ज्यादा मकान गरीबों के लिए स्वीकृत हुए हैं. आज मुख्यमंत्री को स्वीकृति पत्र दे रहा हूं. छत्तीसगढ़ में हर दिन 1600 मकान पूरे हो रहे हैं. विकसित भारत जीरामजी में भी छत्तीसगढ़ का सहयोग मिल रहा है. विकसित भारत के तहत खेत से सड़क योजना सम्मिलित कर ली गई है. 36 करोड़ रुपए की छत्तीसगढ़ स्वीकृत हुई है. ग्रामीण विकास विभाग ने छत्तीसगढ़ के लिए सड़कें स्वीकृत की हैं.

17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने पर केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व ने देश का स्वाभिमान बढ़ाया है. भारत माता फिर से अंगड़ाई ले रही है. विश्व गुरु के पथ पर चल रहा है.

वहीं BRICS समिट पर कांग्रेस के सवाल उठाए जाने पर शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि दुनिया की आधी आबादी का नेतृत्व एक धरती पर इकट्ठा हो रहा है.

पूरी दुनिया की नजर BRICS सम्मेलन पर हैं. जब दुनिया में भारत का सम्मान बढ़ता है तो कांग्रेस के पेट में दर्द होता है. कांग्रेस हमारे देश की प्रतिष्ठा पर उंगली उठाती है. देश की प्रगति और विकास से कांग्रेस प्रसन्न नहीं हो सकती.

ब्रिक्स बिजनेस फोरम में बोले पीएम मोदी- भारत नेविगेशन की आजादी का करता है समर्थन

नई दिल्ली ■ एजेंसी

ब्रिक्स बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत स्थिरता और विकास का स्रोत बना हुआ है। उन्होंने सुरक्षित समुद्री रास्तों, खुले सप्लाई रूट्स और नेविगेशन की आजादी पर जोर दिया। पीएम ने मेक इन इंडिया के जरिए वैश्विक विनिर्माण और नवाचार को आगे बढ़ाने का विजन रखा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को ग्लोबल इकॉनमी में भारत की बढ़ती भूमिका पर ज़ोर देते हुए कहा कि जब दुनिया अस्थिरता और अनिश्चितता का सामना कर रही है, तब भी भारत विकास कर रहा है। ब्रिक्स (BRICS) बिज़नेस फ़ोरम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि जब दुनिया अस्थिरता के दौर से गुज़र रही है, तब भारत विकास कर रहा है।" उन्होंने आगे कहा, "ग्लोबल अनिश्चितताओं के बीच, आज भारत विकास और स्थिरता के लिए भरोसे का स्रोत बना हुआ है।

बदलती ग्लोबल इकॉनमी में ब्रिक्स (BRICS) की भूमिका पर पीएम मोदी ने कहा कि

ब्रिक्स ग्लोबल इनोवेशन और समाधानों के लिए महत्वपूर्ण केंद्र बन रहा है। उन्होंने इस समूह से और ज़्यादा सामूहिक कार्रवाई का आह्वान करते हुए कहा, "आइए ब्रिक्स की महत्वाकांक्षा को कार्रवाई में और सामूहिक ताकत को ग्लोबल समाधानों में बदलें। ब्रिक्स आगे बढ़े और दुनिया को भी आगे ले जाए। ग्लोबल ट्रेड के प्रति भारत के नज़रिए पर ज़ोर देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज, जब दुनिया भर में व्यापार की बाधाएं बढ़ रही हैं, भारत आर्थिक पुल बना रहा है।

उन्होंने मेक इन इंडिया, इनोवेट विद इंडिया, स्केल फॉर द वर्ल्ड के संदेश के साथ ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग और इनोवेशन के लिए भारत के विज़न को भी सामने रखा। प्रधानमंत्री मोदी ने ग्लोबल इकॉनमी के लिए सुरक्षित समुद्री रास्तों के महत्व पर ज़ोर देते हुए कहा कि ग्लोबल ट्रेड तभी आगे बढ़ सकता है जब समुद्री रास्ते सुरक्षित हों, सप्लाई रूट खुले हों और नाविक सुरक्षित हों।

इसीलिए भारत नेविगेशन की आज़ादी और नाविकों की सुरक्षा का मज़बूती से समर्थन करता है।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि इस साल ब्रिक्स (BRICS) के 20 साल पूरे हो रहे हैं और ब्रिक्स परिवार में 21 देश शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह समूह दुनिया की 50% आबादी, 40% ग्लोबल GDP और 20% ग्लोबल ट्रेड का प्रतिनिधित्व करता है।

मोदी-पुतिन की केमेस्ट्री ने बदला डिफेंस गेम !

नई दिल्ली। भारत की राजधानी दिल्ली में सुहावने मौसम के बीच जब दो मित्र देश भारत और रूस के राष्ट्राध्यक्ष मिले तो द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने, व्यापार बढ़ाने, रक्षा सौदों आदि को लेकर तो व्यापक वार्ता हुई ही साथ ही यूक्रेन युद्ध का मुद्दा भी प्रधानमंत्री मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के समक्ष बड़ी प्रमुखता से उठाया।

'हैवान' में क्लाइमैक्स के बाद क्यों आए मोहनलाल? सैफ अली खान से है जुड़ा है उनका सीधा कनेक्शन

मुंबई (एजेंसी)। प्रियदर्शन की फिल्म 'हैवान' 11 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म में सैफ अली खान और अक्षय कुमार मुख्य भूमिकाओं में हैं। सैफ जहां दृष्टिहीन श्याम राणे का किरदार निभा रहे हैं, वहीं अक्षय कुमार फिल्म में परशुराम नाम के खतरनाक विलेन के रोल में नजर आए हैं। फिल्म की कहानी सस्पेंस, थ्रिल और एक्शन से भरपूर है और क्लाइमैक्स में कहानी एक अहम मोड़ लेती है। हालांकि फिल्म के आखिरी हिस्से में एक ऐसा सरप्राइज भी मिलता है, जिसका इंतजार खास तौर पर मोहनलाल के फैंस को था।

क्लाइमैक्स से पहले हुई मोहनलाल की एंट्री

फिल्म के अंत में अचानक मोहनलाल की एंट्री होती है। वह काला चश्मा लगाए और हाथ में ब्लाइंड स्टिक लिए नजर आते हैं। उनकी यह झलक इसलिए भी खास है, क्योंकि फिल्म की कहानी में दृष्टिहीनता एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यही वजह है कि मोहनलाल की एंट्री के साथ दर्शकों के मन में सबसे बड़ा सवाल उठता है कि आखिर वह फिल्म में कौन सा किरदार निभा रहे हैं? इसका जवाब फिल्म के बिल्कुल आखिरी दृश्य में मिलता है। मोहनलाल भी सैफ अली खान की तरह दृष्टिहीन व्यक्ति के किरदार में दिखाई देते हैं। क्लाइमैक्स के बाद उन्हें सैफ और एक बच्ची के साथ सड़क किनारे खड़े देखा जाता है। यहां फिल्म का एक छोटा लेकिन यादगार सीन सामने आता है।

बच्ची ने मोहनलाल से पूछा- क्या आप भी नहीं देख सकते?

इस सीन में बच्ची मोहनलाल से पूछती है कि क्या वह भी देख नहीं सकते। इसके बाद मोहनलाल अपना चश्मा उतारते हैं और उससे सवाल करते हैं कि और कौन नहीं देख सकता। इस पर सैफ अली खान जवाब देते हैं कि वह भी नहीं देख सकते। इसी बीच ट्रैफिक सिग्नल बदल जाता है। रेड लाइट खुलने के बाद बच्ची दोनों दृष्टिहीन किरदारों की छड़ी पकड़कर उन्हें सड़क पार कराती है। इस छोटे से दृश्य में सैफ

और मोहनलाल के किरदारों को एक साथ देखना फैंस के लिए खास पल बन जाता है। फिल्म में मोहनलाल का रोल लंबा नहीं है, लेकिन उनका कैमियो कहानी के मूल से सीधे जुड़ा हुआ है।

'ओपम' में मोहनलाल थे लीड हीरो

मोहनलाल की इस खास मौजूदगी का कनेक्शन फिल्म की मूल मलयालम फिल्म 'ओपम' से है। प्रियदर्शन ने 2016 में 'ओपम' का निर्देशन किया था और उसमें मोहनलाल ने मुख्य भूमिका निभाई थी। फिल्म में उन्होंने जयारामन नाम के दृष्टिहीन केयरटेकर का किरदार निभाया था, जो एक हत्या के मामले में मुख्य संदिग्ध बन जाता है। 'हैवान' में सैफ अली खान का श्याम राणे वाला किरदार इसी मूल भूमिका का हिंदी रूपांतरण है।

हालांकि, हिंदी वर्जन में मोहनलाल को लीड रोल देने के बजाय प्रियदर्शन ने उन्हें एक खास कैमियो के जरिए कहानी से जोड़ा है।

प्रियदर्शन ने बताया था मोहनलाल को कैमियो के लिए कैसे मनाया?

मोहनलाल के कैमियो को लेकर प्रियदर्शन पहले ही संकेत दे चुके थे। एक इंटरव्यू में निर्देशक ने बताया था कि जब उन्होंने मोहनलाल से पूछा कि क्या वह इस भूमिका को निभाएंगे, तो अभिनेता को पहले यकीन नहीं हुआ। प्रियदर्शन के मुताबिक, मोहनलाल ने उनसे सवाल किया था कि वह मूल फिल्म के हीरो थे और अब उनसे क्या करवाया जा रहा है। हालांकि जब मोहनलाल ने पूरी बात सुनी तो उन्होंने तुरंत हामी भर दी। प्रियदर्शन ने बताया कि अभिनेता ने आखिरकार सिर्फ इतना कहा कि वह यह भूमिका करेंगे। फिल्म को लेकर इंडिया टीवी ने रिव्यू में 3 रेटिंग दी है, कुछ खामियों के बाद भी फिल्म देखने योग्य है।

मोहनलाल का कैमियो क्यों है खास?

'हैवान' में मोहनलाल की मौजूदगी सिर्फ फैंस के लिए एक सरप्राइज नहीं है, बल्कि यह फिल्म और उसके मलयालम ओरिजिनल के बीच एक दिलचस्प कनेक्शन भी बनाती है। जहां 'ओपम' में मोहनलाल ने कहानी को अपने कंधों पर आगे बढ़ाया था, वहीं 'हैवान' में वही दृष्टिहीन किरदार सैफ अली खान निभा रहे हैं। ऐसे में क्लाइमैक्स के बाद मोहनलाल और सैफ को एक साथ देखना फिल्म के फैंस के लिए एक तरह का पासिंग-द-बैटन मोमेंट भी महसूस होता है। भले ही मोहनलाल का कैमियो कुछ मिनटों का हो, लेकिन फिल्म खत्म होने के बाद यह दृश्य लंबे समय तक याद रहने वाला है।

भुवन बाम ने अपनी सक्सेस जर्नी पर की बात असफलता को बताया सफलता का जरूरी हिस्सा

मुंबई (एजेंसी)। भुवन बाम न सिर्फ एक मशहूर यूट्यूबर और कॉमेडियन हैं, बल्कि एक दमदार एक्टर भी हैं। भुवन बाम ने दिल्ली के अपने कमरे में वीडियो बनाने से लेकर प्राइम वीडियो के पीरियड ड्रामा 'द रिवोल्यूशनरीज' में काम करने तक के अपने सफर को 'बगावत भरा' बताया है। उन्होंने कहा कि एक बड़ी स्ट्रीमिंग सीरीज के लिए फिल्ममेकर निखिल आडवाणी के साथ काम करते समय नाकामियों ने उन्हें जमीन से जुड़े रहने में मदद की। एक इंटरव्यू में भुवन ने अपनी सफलता की जर्नी के बारे में खुलकर बात की और बताया कि उनकी सक्सेस में सबसे बड़ा रोल असफलता का है।

इंटरव्यू के दौरान उनसे पूछा गया कि वह 'रातों-रात स्टार' बन गए तो उन्होंने कहा कि सफलता से पहले सालों की मेहनत और लोगों की यह सलाह शामिल थी कि उन्हें अपने चुने हुए रास्ते पर नहीं चलना चाहिए। भुवन ने कहा, 'यह सफर बगावत भरा रहा है... यह एक लंबा सफर रहा है और इस सफर में बहुत से लोग मिलते हैं। बहुत से लोग कहते हैं ऐसा मत करो।

यह तुम्हारे लिए नहीं है। तुम खो जाओगे। तुम भीड़ में खो जाओगे। वहां कोई तुम्हारी इज्जत नहीं करेगा।' उन्होंने याद किया कि कैसे उन्होंने अपने आस-पास के शक के बावजूद आगे बढ़ने का फैसला किया, 'मैंने कहा अगर वहां नहीं तो मैं इसे यहीं से करूंगा। इसलिए, मैंने इसे दिल्ली से किया।'

भुवन ने बताया कि वह सिर्फ एक साल पहले ही मुंबई आए हैं, जबकि उससे पहले उन्होंने अपना करियर दिल्ली में बनाया था। उन्होंने कहा, 'इसलिए जगह मायने नहीं रखती। आप इसे कहां से कर रहे हैं, यह जरूरी नहीं है। आप क्या कर रहे हैं, यह जरूरी है।' अपने सफर को याद करते हुए, एक्टर ने कहा कि वह अपने पुराने मैं को गलतियों से डरने के बजाय उन्हें अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। उन्होंने कहा, 'और अगर मुझे अपने युवा रूप से कुछ कहना हो तो मैं यही कहूंगा कि गलतियां करते रहो।

तमिल विद्वान सोलोमन पाप्पैया का निधन, 90 की उम्र में ली अंतिम सांस

मदुरै (एजेंसी)। तमिल विद्वान, मशहूर डिबेट मॉडरेटर और अभिनेता सोलोमन पाप्पैया का शुक्रवार, 11 सितंबर 2026 को मदुरै में 90 साल की उम्र में निधन हो गया। वे उम्र से जुड़ी बीमारियों से जूझ रहे थे। अपनी बोलने की कला और टेलीविजन पर 'पट्टी मंडरम' डिबेट को होस्ट करने के अंदा की वजह से प्रो. पाप्पैया तमिलनाडु में घर-घर में पहचाने जाते थे। शंकर की दो बड़ी फिल्मों 'बॉयज' और 'शिवाजी' में काम करने के कारण तमिल सिनेमा के फैंस उन्हें आज भी याद करते हैं। सोलोमन पाप्पैया के निधन पर प्रभुदेवा ने अपना दुख जाहिर किया है और सोशल मीडिया पर श्रद्धांजलि दी।

एक्टर और डांसर प्रभुदेवा ने भी अपने ऑफिशियल X हैंडल पर एक्टर के निधन पर दुख जताया। उन्होंने लिखा, 'सोलोमन पाप्पैया सर के निधन से बहुत दुख हुआ। तमिल की एक शानदार आवाज, जिन्हें हमेशा याद किया जाएगा।'

फिल्ममेकर जी. धनंजयन ने अपने ऑफिशियल X हैंडल पर लिखा, '#RIPSolomonPappaiah सर। हम आपके लाइव और मजेदार 'पट्टी मंडरम' को बहुत याद करेंगे।'

2003 में आई तमिल फिल्म 'बॉयज' में मजिस्ट्रेट के तौर पर एक छोटी सी भूमिका निभाने के बाद सोलोमन पाप्पैया तब बहुत मशहूर हो गए, जब उन्होंने रजनीकांत की फिल्म 'शिवाजीः द बॉस' में थोंडाइमन का किरदार निभाया। रजनीकांत के साथ काम कर सोलोमन पाप्पैया को जबरदस्त नेम-फेम मिला था। अब सवाल यह उठाता है कि सोलोमन पाप्पैया ने उसके बाद फिल्मों के ऑफर क्यों ठुकरा दिए? 2022 में 'द हिंदू' को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, 'मेरे मन में अभिनय करने की इच्छा थी और मैंने कुछ प्रोजेक्ट्स पर काम भी किया। फिल्म इंडस्ट्री में मुझे बहुत सम्मान मिला। उसके बाद मुझे 200 से ज्यादा फिल्मों के ऑफर मिले, लेकिन मैं खुद को वहां नहीं, बल्कि साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में देखता हूं।'

सोलोमन पाप्पैया तमिल साहित्य और क्लासिक्स के अपने गहरे ज्ञान के कारण तमिल विद्वानों के बीच बहुत सम्मानित थे। सुपरस्टार रजनीकांत, जिन्होंने 'शिवाजीः द बॉस' के एक लोकप्रिय सीन में सोलोमन के साथ स्क्रीन शेयर की थी। वे भी उनके बहुत बड़े प्रशंसक थे। उनके निधन पर रजनीकांत ने ट्वीट किया, 'मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि प्रोफेसर सोलोमन पाप्पैया की आत्मा को शांति मिले। वे एक महान तमिल हस्ती थे जिन्होंने 'पट्टी मंडरम' की परंपरा को पढ़े-लिखे संभ्रांत वर्ग से आम लोगों तक पहुंचाया और इसे बहुत लोकप्रिय बनाया।'

सोलोमन पाप्पैया को तमिल संस्कृति और साहित्य में उनके योगदान के लिए कई प्रतिष्ठित सम्मान मिले। उन्हें 2000 में 'कलैमामणि' पुरस्कार, 2010 में अन्नामलाई यूनिवर्सिटी से 'मुथमिल पेरारिग्नार' की मानद उपाधि और 2021 में साहित्य और शिक्षा-पत्रकारिता के क्षेत्र में 'पद्म श्री' से सम्मानित किया गया।

बता दें कि उनकी पत्नी एस. जेयाबाई का जनवरी 2025 में निधन हो गया। इस दंपत्ति का एक बेटा और एक बेटी विमला सोलोमन हैं, जो जापानी भाषा अध्ययन की प्रोफेसर हैं।

सेहत

पाचन तंत्र से लेकर वजन घटाने तक में कारगर है हींग का पानी

हींग को भारतीय रसोई की शान कहा जाता है। ये सिर्फ दाल और सब्जियों में तड़का लगाने के काम ही नहीं आती, बल्कि यह सेहत का खजाना भी है। आयुर्वेद में हींग को औषधि माना गया है। अगर आप अपने दिन की शुरुआत चाय या कॉफी के बजाय सुबह खाली पेट 'हींग के पानी' से करते हैं, तो यह आपके शरीर के लिए किसी वरदान से कम नहीं होगा।

आयुर्वेद में हींग को उसके पाचक और औषधीय गुणों के लिए जाना जाता है। जब आप अपने दिन की शुरुआत इस हल्के गुनगुने पानी के साथ करते हैं, तो यह आपके शरीर को अंदर से साफ करने और कई समस्याओं को दूर करने में मदद करता है। ऐसे में चलिए जानते हैं सुबह खाली पेट हींग का पानी पीने से क्या क्या फायदे होते हैं।

1. पाचन तंत्र के लिए

आज के समय में गलत खान-पान के कारण गैस, एसिडिटी और ब्लोटिंग बेहद आम समस्याएं हैं। हींग में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-ऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो पाचक एंजाइमों को सक्रिय करते हैं। सुबह खाली पेट इसका सेवन करने से पेट का भारीपन कम होता है और पाचन क्रिया दुरुस्त होती है।

2. वजन घटाने में मददगार

अगर आप बढ़ते वजन या सुस्त मेटाबॉलिज्म से परेशान हैं, तो हींग का पानी एक बेहतरीन डिटॉक्स ड्रिंक साबित हो सकता है। यह शरीर के मेटाबॉलिक रेट को बढ़ाता है, जिससे कैलोरी

तेजी से बर्न होती है। यह शरीर से हानिकारक टॉक्सिन्स को बाहर निकालता है, जिससे फैट बर्निंग प्रोसेस तेज होता है।

3. ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर का नियंत्रण

हींग में इंसुलिन के डिस्चार्ज को बढ़ाने वाले गुण होते हैं, जो ब्लड शुगर लेवल को संतुलित रखने में मदद करते हैं। इसके अलावा, इसमें मौजूद कौमारिन नामक तत्व ब्लड को पतला करने और ब्लड सर्कुलेशन को सुधारने में मदद करता है, जिससे हाई ब्लड प्रेशर की समस्या में राहत मिलती है।

4. श्वसन तंत्र और सर्दी-खांसी

बदलते मौसम में हींग का पानी छाती में जमे बलगम को कम करने में मदद करता है। इसमें एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं जो अस्थमा, सूखी खांसी और सर्दी-जुकाम के लक्षणों को कम करने में प्रभावी हैं।

हींग का पानी बनाने का सही तरीका

एक गिलास गुनगुने पानी में सिर्फ एक से दो चुटकी हींग पाउडर मिलाएं। इसे अच्छी तरह घोलें और सुबह ब्रश करने के बाद खाली पेट घूंट-घूंट करके पिएं। स्वाद बदलने के लिए आप इसमें थोड़ा सा नींबू का रस या काला नमक भी मिला सकते हैं।

औषधीय गुणों से भरपूर है कलौंजी

कलौंजी का इस्तेमाल तड़के से लेकर अचार में स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है। इसकी सुगंध खाने का स्वाद कई गुना बढ़ा देती है। लेकिन क्या आप जानते हैं यह छोटा मसाला सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद है। गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट डॉक्टर शुभम वात्स्य ने अपने यू ट्यूब पेज पर वीडियो शेयर करते हुए बताया है कि कलौंजी के बीजों में थाइमोक्विनोन नामक पावरफुल बायोएक्टिव कंपाउंड होता है, जो अपने एंटीऑक्सीडेंट, एंटी इंफ्लेमेटरी और इम्यूनोमॉड्यूलेटरी गुणों के लिए जाना जाता है। ऐसे में कलौंजी का अगर सही तरीके से सेवन किया जाए तो यह सेहत के लिए बेहद फायदेमंद हो सकती है। चलिए जानते हैं इसके फायदे और इस्तेमाल का तरीका?

कलौंजी खाने के फायदे

सूजन होता है कंट्रोलः शरीर में मौजूद सूजन गम्भीरर बीमात्रियों की वजह बन सकती है ऐसे में आप कलौंजी के एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण शरीर में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस, सूजन और इन्सुलिन रेजिस्टेंस को कम करते हैं। जिससे पाचन और मेटाबॉलिक कार्यप्रणाली में सुधार होता है।

ब्लड शुगर और बैड कोलेस्ट्रॉल होता है कंट्रोलः डॉक्टर शुभम वात्स्य के अनुसार, कलौंजी से फास्टिंग ब्लड शुगर एचबीएवेसी (HbA1c), बैड कोलेस्ट्रॉल, ट्राइग्लिसराइड और लिवर एन्ज़ाइम में इम्प्रूवमेंट होता है। खासकरयह डायबिटीज, फैटी लिवर और बैड कोलेस्ट्रॉल में बेहद फायदेमंद है। तो अगर आपका ब्लड शुगर बढ़ा है आय बैड कोलेस्ट्रॉल इस मसाले का सेवन आपके लिए फायदेमंद हो सकता है।

वजन होता है कमः अगर आपका वजन बढ़ा हुआ है तो उसे कंट्रोल करने के लिए कलौंजी का सेवन कर सकते हैं। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण मेटाबॉलिज्म को फास्ट करते हैं जो आपका बढ़ा हुआ वजन कम करने में मददगार है।

गट हेल्थ होती है बेहतरः डॉक्टर शुभम वात्स्य के अनुसार, कलौंजी गट हेल्थ को भी बेहतर करती है। इसमें मौजूद थाइमोक्विनोन और कार्मिनेटिव गैस, ब्लोटिंग, अपच जैसी पेट से जुड़ी समस्याओं में बेहद कारगर है।

पाचन तंत्र के लिए कैसे काम करता है जीरा पानी?

नियमित रूप से जीरा पानी पीना स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। भारतीय रसोई का यह मुख्य मसाला न केवल भोजन का स्वाद बढ़ाता है, बल्कि इसमें कई औषधीय गुण भी छिपे होते हैं। सुबह खाली पेट जीरा पानी पीने से शरीर को कई तरह के लाभ मिलते हैं। रोजाना सुबह खाली पेट जीरा पानी पीना आज के समय में एक बेहद फेमस हेल्थ ट्रेंड भी बन चुका है। दादी-नानी के नुस्खों से लेकर डायटीशियंस तक, हर कोई पाचन को दुरुस्त रखने के लिए इसे पीने की सलाह देता है। लेकिन क्या वाकई यह रोजाना पीने से पाचन की समस्याएं दूर होती हैं? आइए जानते हैं।

जीरे में थाइमोल नामक तत्व पाया जाता है। यह तत्व हमारे पेट में पाचक रसों और पित्त के डिस्चार्ज को उत्तेजित करता है। जब पाचक रस सही मात्रा में बनते हैं, तो भोजन को पचाने की प्रक्रिया तेज और आसान हो जाती है। रोजाना जीरा पानी पीने से पाचन से जुड़ी इन समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है।

ब्लोटिंग और गैस से राहत

जीरे में एंटी-फ्लैटुलेंट गुण होते हैं। यह आंतों में गैस बनने की प्रक्रिया को रोकता है, जिससे पेट फूलने और भारीपन की समस्या दूर होती है।

मेटाबॉलिज्म में सुधार

यह शरीर के मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है, जिससे न सिर्फ खाना जल्दी पचता है बल्कि वजन नियंत्रित रखने में भी मदद मिलती है।

एसिडिटी को करे कम

जीरा पानी पेट के एसिड स्तर को संतुलित करने में मदद करता है, जिससे सीने में जलन और खट्टी डकारें आना बंद होती हैं।

आंतों की सेहत के लिए

इसमें मौजूद एंटी-माइक्रोबियल गुण आंतों के हानिकारक बैक्टीरिया को खत्म करते हैं और अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ावा देते हैं।

क्या रोजाना इसे पीना पूरी तरह सुरक्षित है?

आम तौर पर, रोजाना एक गिलास गुनगुना जीरा पानी पीना ज्यादातर लोगों के लिए पूरी तरह सुरक्षित और फायदेमंद है।

सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है दालचीनी, मेथी और हल्दी का मिश्रण

भारतीय रसोई में पाए जाने वाले मसाले केवल स्वाद बढ़ाने के काम नहीं आते, बल्कि ये औषधीय गुणों का खजाना हैं। जब दालचीनी, मेथी और हल्दी को एक साथ मिलाया जाता है, तो यह मिश्रण शरीर के लिए किसी वरदान से कम साबित नहीं होता।

तीनों ही मसालों में एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुण प्रचुर मात्रा में होते हैं। अगर आप इस नेचुरल कॉम्बिनेशन को अपनी दिनचर्या में शामिल करते हैं, तो आपको सेहत से जुड़े कई बेमिसाल फायदे मिल सकते हैं। यहां हम आपको इसके हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

1. ब्लड शुगर कंट्रोल करने में मददगार

डायबिटीज के मरीजों के लिए यह मिश्रण बेहद फायदेमंद माना जाता है। दालचीनी शरीर में इंसुलिन सेंसिटिविटी को बढ़ाती है, जबकि मेथी के बीज में मौजूद घुलनशील फाइबर शर्करा

के अवशोषण को धीमा कर देते हैं। हल्दी का 'कर्क्यूमिन' घटक ब्लड ग्लूकोज लेवल को संतुलित रखने में मदद करता है।

2. पाचन तंत्र को बनाए मजबूत

पेट से जुड़ी समस्याओं जैसे गैस, ब्लोटिंग, अपच और कब्ज में यह मिश्रण बहुत राहत देता है। मेथी पेट की आंतों को साफ करने और टॉक्सिन्स बाहर निकालने का काम करती है। वहीं, हल्दी और दालचीनी पाचन एंजाइम्स को एक्टिव करते हैं, जिससे खाना आसानी से पचता है।

3. जोड़ों के दर्द और सूजन से राहत

उम्र बढ़ने के साथ जोड़ों का दर्द या गठिया एक आम समस्या बन जाती है। हल्दी में मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण शरीर की अंदरूनी सूजन को कम करते हैं। दालचीनी और मेथी के साथ मिलकर यह मिश्रण हड्डियों और मांसपेशियों के दर्द से नेचुरल तरीके से राहत दिलाने में मदद करता है।

4. वजन घटाने में सहायक

अगर आप अपना वजन कम करना चाहते हैं, तो यह मिश्रण मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करने में मदद कर सकता है। मेथी का सेवन करने से लंबे समय तक भूख नहीं लगती, जिससे ओवरईटिंग से बचाव होता है। दालचीनी फैट बर्निंग प्रोसेस को तेज करती है, जिससे जिद्दी चर्बी कम करने में मदद मिलती है।

5. दिल की सेहत के लिए बेहतर

यह कॉम्बिनेशन शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स के लेवल को कम करने में मदद करता है। ब्लड वेसल्स में थक्के जमने का खतरा कम होता है, जिससे ब्लड सर्कुलेशन सही रहता है और हार्ट अटैक जैसी समस्याओं का जोखिम कम होता है।

इस्तेमाल करने का सही तरीका

दालचीनी, मेथी और हल्दी तीनों चीजों को बराबर मात्रा में पीसकर पाउडर बना लें। रोज सुबह खाली पेट आधा चम्मच गुनगुने पानी के साथ लें।

गर्मियों में मूंगफली को भिगोकर खाने से क्या-क्या फायदे होते हैं?

गर्मियों के मौसम में मूंगफली को कच्चा या भूनकर खाने के बजाय भिगोकर खाना सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। मूंगफली की तासीर गर्म होती है, लेकिन जब हम इसे रातभर पानी में भिगो देते हैं, तो इसकी तासीर ठंडी हो जाती है। इससे यह गर्मियों में भी शरीर को नुकसान नहीं पहुंचाती। मूंगफली को भिगोकर खाने से एनर्जी मिलती है और साथ ही हार्ट हेल्थ भी बेहतर रहता है। इसके अलावा भी ये सेहत को कई तरह के फायदे पहुंचाता है। ऐसे में चलिए जानते हैं गर्मियों में मूंगफली को भिगोकर खाने से क्या क्या फायदे होते हैं।

1. पाचन क्रिया के लिए

कच्ची मूंगफली में 'फाइटिक एसिड' नाम का एक तत्व होता है, जो पेट में भारीपन और गैस की समस्या पैदा कर सकता है। पानी में भिगोने से यह एसिड निकल जाता है और मूंगफली में मौजूद फाइबर आसानी से पच जाता है। इससे गर्मियों में होने वाली कब्ज, अपच और एसिडिटी की समस्या से राहत मिलती है।

2. पोषक तत्वों सोर्स

भिगोने की प्रक्रिया से मूंगफली के भीतर छिपे विटामिन्स और मिनरल्स एक्टिव हो जाते हैं। हमारा शरीर भीगी हुई मूंगफली में मौजूद आयरन, कैल्शियम, विटामिन-ई और पोटेशियम को बहुत आसानी से सोख लेता है, जिससे शरीर को पूरा पोषण मिलता है।

3. दिनभर बनी रहती है एनर्जी

गर्मियों में अक्सर धूप और पसीने के कारण शरीर जल्दी सुस्त होने लगता है। भीगी हुई मूंगफली में भरपूर मात्रा में प्रोटीन और हेल्दी फैट्स होते हैं। सुबह खाली पेट इसे खाने से शरीर का मेटाबॉलिज्म सुधरता है और आपको दिनभर एनर्जेटिक महसूस होता है।

4. दिल की सेहत और ब्लड सर्कुलेशन

भीगी हुई मूंगफली में ओमेगा-3 फैटी एसिड और कार्डियोप्रोटेक्टिव गुण होते हैं। यह शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने और गुड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने में मदद करती है। इसके नियमित सेवन से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है, जिससे दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है।

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी

शनिवार 12 सितंबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

जिला जल स्वच्छता समिति की बैठक 15 को

बिलासपुर । कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला जल स्वच्छता समिति की बैठक 15 सितम्बर को दोपहर 12 बजे से जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में होगी। बैठक में जल जीवन मिशन के कार्यों का गोसवारा, पूर्ण एवं हस्तांतरित हर-घर-जल योजनाओं के भुगतान की स्वीकृति, जल जीवन मिशन योजनाओं की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति, जल अर्पण दिवस के आयोजन हेतु प्राक्कलन स्वीकृति सहित अन्य विषयों पर चर्चा की जाएगी।

प्रतिबंधित एक्सोटिक मांगूर मछली के विक्रय पर कार्रवाई

बिलासपुर। मछली पालन विभाग द्वारा प्रदेश में प्रतिबंधित एक्सोटिक मांगूर (क्लेरियस गेरीपिनयस) एवं बिग हेड (हाइपोप्थेलमिक्थीस नोबीलीस) मछलियों के पालन, संवर्धन, आयात, निर्यात, विक्रय, परिवहन एवं विपणन की रोकथाम के लिए लगातार निरीक्षण किया जा रहा है।

इसी क्रम में मछली पालन विभाग की टीम द्वारा शनिचरी बाजार क्षेत्र में निरीक्षण कर एक्सोटिक मांगूर की मत्स्य बीज जब्त कर कार्रवाई की गई। साथ ही मछली विक्रेताओं को प्रतिबंधित मछलियों की बिक्री नहीं करने की हिदायत दी।

उप संचालक मछली पालन विभाग ने बताया कि एक्सोटिक मांगुर को सामान्यतः थाई मांगुर के नाम से भी जाना जाता है। यह एक आक्रामक मांसाहारी मछली है, जो भोजन के लिए देशी मछली प्रजातियों के साथ प्रतिस्पर्धा करती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों और पर्यावरण अधिकारी के अनुसार थाई मांगुर के सेवन से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी हो सकती है। छत्तीसगढ़ मत्स्य क्षेत्र अधिनियम 1948 की धारा 5 के तहत प्रतिबंधित मछलियां पाए जाने पर 25 हजार रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। साथ ही पाली गई प्रतिबंधित मछलियों के मत्स्य बीज एवं भंडारण को तत्काल नष्ट किए जाने का प्रावधान भी है।

बोर से पानी लेने से रोका तो डंडे से पीटा

महासमुंद। बसना थाना क्षेत्र में खेत से बोर का पानी लेने से रोकने पर मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।ग्राम परसकोल निवासी हितेश साहू ने पुलिस को बताया कि उसका खेत ग्राम बिछिया की सीमा में है, जहां बोर लगा हुआ है।

8 सितंबर की शाम वह खेत में लगी धान की फसल देखने गया था। इसी दौरान उसके खेत से लगे जुगल बुड़ेक के खेत में ग्राम बिछिया निवासी भोजराज बुड़ेक काम कर रहा था और हितेश के खेत के बोर से बिना अनुमति पानी ले रहा था। हितेश ने उसे पानी लेने से मना किया। इस पर भोजराज ने गाली-गलौज करते हुए डंडे से मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी।

शिकायत पर बसना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 296 और 351(3) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री शिवराज सिंह और मुख्यमंत्री साय ने 2 लाख नवनिर्मित आवासों में कराया गृह प्रवेश

प्रधानमंत्री आवास योजना ने लाखों गरीब परिवारों के पक्के घर का सपना किया साकार : शिवराज

पिछले ढाई वर्षों में प्रदेश में 11.50 लाख से अधिक प्रधानमंत्री आवास पूर्ण : विष्णु देव साय

बिलासपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ में गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के पक्के आवास के सपने को साकार करने की दिशा में आज एक और महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ा। सक्ती में आयोजित प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के राज्यस्तरीय गृह प्रवेश समारोह में 2 लाख नवनिर्मित आवासों का गृह प्रवेश कराया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में हितग्राहियों को प्रतीकात्मक रूप से उनके नए घरों की चाबी सौंपी गई।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने छत्तीसगढ़ को प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत 3.65 लाख अतिरिक्त आवासों की बड़ी सौगात दी। उन्होंने नवगठित सक्ती जिले में कृषि विज्ञान केंद्र खोलने तथा बस्तर संभाग में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के सर्वे की समय-सीमा 31 अक्टूबर 2026 तक बढ़ाने की घोषणा भी की। केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने अतिरिक्त आवासों की स्वीकृति संबंधी पत्र मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को सौंपा।

केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार गरीबों, किसानों, महिलाओं और ग्रामीण परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण इसी संकल्प को जमीन पर साकार करने वाली महत्वपूर्ण योजना है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत आवास निर्माण का कार्य तेज गति से आगे बढ़ रहा है और प्रतिदिन 1600 से अधिक आवास पूर्ण किए जा रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा विकास कार्यों की सराहना की।

केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि सरकार जो कहती है, उसे पूरा करके दिखाती है। केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से छत्तीसगढ़ में विकास कार्यों को नई गति मिली है। ग्रामीण क्षेत्रों में पक्के आवास, सड़क, पेयजल, स्वच्छता, स्वास्थ्य और आजीविका से जुड़ी सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के माध्यम से गरीब परिवारों को केवल पक्की छत ही नहीं मिल रही, बल्कि उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, निःशुल्क राशन, स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय और जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं के माध्यम से उनके जीवन में व्यापक बदलाव लाने का कार्य किया जा रहा है।

कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए मिलकर कर रहे काम

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि छत्तीसगढ़ कृषि की अपार संभावनाओं वाला प्रदेश है। प्रदेश अब केवल धान के कटोरे के रूप में ही नहीं, बल्कि तेजी से सब्जी उत्पादन के क्षेत्र में भी अपनी नई पहचान बना रहा है। किसानों की आय बढ़ाने, कृषि में आधुनिक तकनीक को प्रोत्साहित करने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए केंद्र और राज्य सरकार मिलकर कार्य कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि सक्ती में कृषि विज्ञान केंद्र की स्थापना से क्षेत्र के किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक, उन्नत खेती, फसल विविधीकरण और कृषि संबंधी वैज्ञानिक मार्गदर्शन स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होगा।

गरीब का पक्का घर हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : साय

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता की ओर से स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि श्री चौहान का छत्तीसगढ़ के प्रति विशेष स्नेह रहा है और उनके प्रत्येक प्रवास से प्रदेश को विकास की नई सौगातें मिली हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आज अपने नए पक्के घर में प्रवेश कर रहे 2 लाख हितग्राही परिवारों को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गरीब परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। राज्य सरकार ने अपनी पहली कैबिनेट बैठक में ही 18 लाख प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति देकर अपनी प्राथमिकता स्पष्ट कर दी थी। पिछले ढाई वर्षों में प्रदेश में 11.50 लाख से अधिक आवास पूर्ण किए जा चुके हैं।

उन्होंने कहा कि आवास सर्वे-2011 और आवास प्लस सर्वे के अंतर्गत आवासों के लक्ष्य की स्वीकृति मिल चुकी है। अब आवास प्लस-प्लस सर्वे में शामिल शेष पात्र परिवारों के लिए भी आवास स्वीकृत करने का अनुरोध केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री से किया गया है। सरकार का प्रयास है कि प्रदेश का कोई भी पात्र गरीब परिवार पक्के आवास से वंचित न रहे।

13.85 लाख बहनें बनीं लखपति दीदी

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में हमारी माताओं-बहनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और बिहान के माध्यम से महिलाओं को आजीविका के नए अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। प्रदेश में अब तक 13 लाख 85 हजार दीदियां लखपति दीदी बन चुकी हैं। यह महिलाओं की मेहनत, आत्मविश्वास और आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में हो रहे बड़े बदलाव का प्रमाण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रदेश की लगभग 70 लाख माताओं-बहनों को लाभान्वित किया जा रहा है और अब तक 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि उनके खातों में अंतरित की जा चुकी है। महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने नागरिकों से मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 और सेवा सेतु पोर्टल का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की। उन्होंने बताया कि बिजली बिल समाधान योजना के अंतर्गत अब तक 750 करोड़ रुपये से अधिक के बकाया बिजली बिल माफ किए जा चुके हैं।

ग्रामीण विकास के कई अभिनव अभियानों का शुभारंभ

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत निर्मित 2 लाख आवासों के गृह प्रवेश के साथ ही विभिन्न ग्रामीण विकास अभियानों और नवाचारों का भी शुभारंभ किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के हितग्राहियों को प्रतीकात्मक रूप से गृह प्रवेश की चाबी प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत एआई आधारित जियो-टैग सत्यापन का शुभारंभ किया गया। विकसित भारत-जी राम जी के अंतर्गत 'धार अपार' और 'सुघ्घर बाड़ी' अभियान प्रारंभ किए गए। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत 270 नवीन इंटीग्रेटेड फार्मिंग क्लस्टरों का विमोचन किया गया। साथ ही इन्क्यूबेशन प्रोग्राम 'अथ उद्यमिता की ओर' के अंतर्गत चैलेंज फंड इवेंट का शुभारंभ हुआ।

कार्यक्रम में आजीविका के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली लखपति दीदियों एवं डीलर दीदियों तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली पंचायतों के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया।

शिवराज सिंह चौहान और विष्णुदेव साय ने सक्ति जिले में 121.70 करोड़ रुपए के 38 विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

बिलासपुर ■ दैनन्दिनी

केंद्रीय ग्रामीण विकास, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज सक्ती जिले के ग्राम जेठा में आयोजित कार्यक्रम में जिले को लगभग 122 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। दोनों अतिथियों ने 121 करोड़ 70 लाख रुपए से अधिक की लागत के कुल 38 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इनमें लगभग 79.25 करोड़ रुपए की लागत के 23 विकास कार्यों का भूमिपूजन तथा लगभग 42.46 करोड़ रुपए की लागत के 15 विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल है।

इन कार्यों से जिले में सड़क संपर्क के विस्तार के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, प्रशासनिक और ग्रामीण अधोसंरचना को मजबूती मिलेगी।

माँ कामाख्या धर्मादा ट्रस्ट के द्वारा तीज मिलन का आयोजन किया गया

रायपुर ■ दैनन्दिनी

माँ कामाख्या धर्मादा ट्रस्ट के द्वारा आम बगीचा गार्डन सुंदर नगर रायपुर में तीज मिलन का आयोजन किया गया जिसमें गुरु पूजन के साथ भजन ,नृत्य और सबको श्रृंगार सामग्री दी गई साथ में तीज की अग्रिम शुभकामनायें दी गई। इस कार्य में संगठन प्रभारी डॉ.नीता गुरु गोस्वामी ,श्रीमती कल्पना शुक्ला जिला अध्यक्ष, मनोरमा वाजपेई सुंदर नगर प्रभारी, संध्या तिवारी कुंज बिहारी चौक प्रभारी ,लक्ष्मी अवस्थी डगनिया प्रभारी , लता शर्मा कुशालपुर प्रभारी, गैंदी बाई सिन्हा टिकरापारा प्रभारी, प्रतिभा मिश्रा,मंजू मिश्रा,सरोज शुक्ला, नमिता पात्रा,नेहा वर्मा, शिखा वर्मा, नेहा संतोषवार ,योगेश्वरी साहू , सुनीता शर्मा ,सीता तिवारी,और ट्रस्ट की सभी बहने उपस्थित रही। ट्रस्टी अध्यक्ष परम पूज्य गुरुदेव श्री संकर्षण शरण जी (गुरुजी) ने सभी को तीज की अग्रिम शुभकामनायें देते हुए साधुवाद दिए।

8000 से अधिक महिलाओं ने मनाया तीज मिलन का उत्सव विधायक को अपने बीच पाकर काफी खुश हुई बहनें

पंडरिया (दैनंदिनी ब्यूरो)। हरियाली, उमंग और अखंड सौभाग्य की मंगलकामना से जुड़ा तीजा पर्व पंडरिया में इस बार सामाजिक एकजुटता और नारी शक्ति के उत्सव के रूप में नजर आया। पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा तीजा तिहार के अवसर पर 10 सितम्बर को पीएमश्री स्वामी आत्मानंद स्कूल मैदान में आयोजित तीज मिलन समारोह में विधानसभा क्षेत्र की 8000 से अधिक माताओं-बहनों ने सहभागिता की। पारंपरिक उल्लास से सजे इस आयोजन में महिलाओं ने लोकगीतों, पारंपरिक साज-सज्जा, तीज की मेहंदी और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिसमें तीज क्विन की विजेता एवं उप विजेता को विधायक भावना बोहरा ने सम्मानित कर उपस्थित सभी माताओं-बहनों को तीज पर्व की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कहा कि तीज का पर्व हमारी संस्कृति की वह जीवंत परंपरा है, जिसमें आस्था, पारिवारिक मूल्यों, प्रेम और नारी शक्ति का सुंदर संगम दिखाई देता है। पीढ़ियों से चली आ रही यह परंपरा आज भी हमारी सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान को मजबूती प्रदान कर रही है। तीज का पर्व महिलाओं के धैर्य, संकल्प और समर्पण को अभिव्यक्त करता है।

भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना के माध्यम से सुहागिन महिलाएं अपने जीवनसाथी के सुखद, स्वस्थ एवं दीर्घ जीवन की कामना करती हैं। इस पर्व की विशेषता यह भी है कि यह महिलाओं को एक-दूसरे के साथ जुड़ने, अपनी खुशियां साझा करने और अपनी सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने का अवसर देता है। आज इस आयोजन में पंडरिया विधानसभा की हजारों की संख्या में उपस्थित माताओं-बहनों ने जिस उत्साह, उल्लास और उमंग एवं पारंपरिक तरीके से एकजुट होकर सहभागिता की और इस आयोजन को भव्य व ऐतिहासिक बनाया उसके लिए मैं सभी का हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ। भावना बोहरा ने कहा कि छत्तीसगढ़ की मातृशक्ति आज केवल परंपराओं की संवाहक ही नहीं, बल्कि समाज और प्रदेश के विकास की मजबूत भागीदार भी है। गांवों में खेती-किसानी से लेकर शिक्षा, रोजगार, व्यवसाय और सामाजिक कार्यों तक महिलाओं की भूमिका निरंतर बढ़ रही है। उनकी इसी भूमिका एवं विकसित भारत-विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में सहभागिता के प्रति हमारी सरकार का प्रयास है कि महिलाओं को सम्मान के साथ-साथ ऐसे अवसर भी मिलें, जिनसे वे आर्थिक और सामाजिक रूप से अधिक आत्मनिर्भर बन सकें। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी के मार्गदर्शन में डबल इंजन भाजपा सरकार महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए अनेक योजनाओं के माध्यम से महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य कर रही है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं के खातों में प्रतिमाह 1,000 रुपये की सहायता राशि पहुंचाई जा रही है, जो महिला स्वावलंबन की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। लखपति दीदी एवं नमो ड्रोन दीदी जैसी योजनाएं महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम एवं आत्मनिर्भर बना रहीं हैं, उनके पोषण, बेहतर स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में भी योजनाओं और प्रयासों से आज महिलाओं की सामाजिक एवं जनप्रतिनिधि के रूप में नेतृत्व व प्रतिनिधित्व निरंतर बढ़ रहा है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं मुख्यमंत्री साय ने सक्ती के जेठा में किया पौधरोपण

बिलासपुर ■ दैनन्दिनी

पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनभागीदारी को बढ़ावा देने और प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी का संदेश देते हुए केंद्रीय ग्रामीण विकास, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज सक्ती जिले के ग्राम जेठा स्थित कॉलेज ग्राउंड में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधरोपण किया।

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कदम का पौधा और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने बादाम का पौधा रोपित किया।

इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने भी पर्यावरण संरक्षण और हरियाली के विस्तार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान मातृ सम्मान की भावना को प्रकृति संरक्षण के संकल्प से जोड़ता है। अभियान के माध्यम से लोगों को अपनी माँ के सम्मान में पौधा लगाने के साथ ही उसके संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रेरित किया जा रहा है। पौधरोपण के साथ पौधों की देखभाल और उन्हें वृक्ष के रूप में विकसित करने की जिम्मेदारी का भाव भी इस अभियान का महत्वपूर्ण उद्देश्य है।

यह अभियान पर्यावरण संरक्षण को केवल शासकीय प्रयास तक सीमित न रखते हुए उसे जनभागीदारी का व्यापक स्वरूप देने की पहल है। अधिक से अधिक नागरिकों की सहभागिता से हरियाली बढ़ाने, पर्यावरण संतुलन बनाए रखने और भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित एवं स्वच्छ पर्यावरण के निर्माण का संदेश अभियान के माध्यम से दिया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के माध्यम से देशभर में नागरिकों को पौधरोपण से जोड़ते हुए पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने का प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में सक्ती जिले में केंद्रीय मंत्री श्री चौहान और मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा किया गया पौधरोपण प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश देता है।

:- संपादकीय :-

क्रय शक्ति और खपत पर आधारित

भारत में मजबूत होती के-शेप अर्थव्यवस्था में 'समृद्ध उपभोक्ताओंइ की संख्या बढना लाजिमी है। कोरोना काल के बाद समृद्धि का वितरण और गतिरुद्ध हुआ है। लग्जरी उपभोग का बढ?ा उसका ही परिणाम है। मार्केट एजेंसी नीलसन-आईक्यू की ताजा रिपोर्ट के इस अनुमान पर कुछ हलकों में सुखबोध देखने मिला है कि अगले दस साल में भारत 'समृद्ध उपभोक्ताओंइ के मामले में चीन को पछाड़ देगा। इस अनुमान के मुताबिक 2036 में भारत में 10.8 करोड़ ऐसे उपभोक्ता होंगे, जबकि चीन में यह संख्या 10.3 करोड़ के करीब होगी। नीलसन ने इसे भारतीय बाजार में आ रहे बड़े बदलाव का संकेत माना है। उसने 'समृद्ध उपभोक्ताइ उन्हें माना है जो औसतन प्रति दिन 90 डॉलर (लगभग 8,500 रुपये) से अधिक खर्च करते हैं। यानी नीलसन का यह आकलन व्यक्ति की संपत्ति या आय के अनुसार नहीं, बल्कि क्रय शक्ति और खपत पर आधारित है।इसके मुताबिक अभी भारत में ऐसे उपभोक्ताओं की संख्या लगभग 2.6 करोड़ है। यानी नीलसन का अनुमान सच होने के लिए जरूरी है कि अगले एक दशक में इस संख्या में सवा तीन गुणा बढ़ोतरी हो। भारत में मजबूत होती के-शेप अर्थव्यवस्था में चीजें इस ओर जाएंगी, यह अंदाजा लगाना उचित ही है। कोरोना काल के बाद अर्थव्यवस्था का यह रूप अधिक ठोस होता गया है, जिसमें धनी और गरीब तबकों के बीच का फासला बढ़ता चला जाता है। इस विषमता की तस्दीक तमाम अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों से हुई है। इससे बाजार में महंगी, लग्जरी चीजों की मांग बढ़ी है, जबकि आम उपभोग की स्थिति ठहराव का शिकार रही है।पिछले साल एक अध्ययन रिपोर्ट में बताया गया कि देश में एक अरब से अधिक लोगों के पास बेहद जरूरी चीजों के अलावा किसी और खरीदारी की शक्ति नहीं है। नीलसन की रिपोर्ट से भी यही संकेत मिलता है कि भारत में महंगी कारों, इलेक्ट्रॉनिक्स वस्तुओं, पर्यटन, प्रीमियम उपभोग, लग्जरी वस्तुओं का बाजार और रियल एस्टेट जैसे क्षेत्रों का विस्तार होगा। यह बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए अच्छी खबर है। बहरहाल, ऐसा होने की शर्त यह है कि देश में आर्थिक एवं राजनीतिक स्थिरता रहे और शासक वर्ग सामाजिक असंतोष को नियंत्रण में रखने में सक्षम बना रहे। बढ़ती गैर-बराबरी के साथ ऐसा कर पाना अक्सर आसान नहीं होता। इसीलिए इस रिपोर्टों के बारे में भी कहा जाएगा कि इसकी अहमियत फिलहाल तात्कालिक सुखबोध तक सीमित है।

जनता की जागरूकता लोकतंत्र के लिए जरूरी

विनीत नारायण

इससे अपना लोकतंत्र मजबूत बनेगा और नेताओं और अधिकारियों में जिम्मेदारियों की भावना विकसित होगी, जो आजादी मिलने के 2 दशक बाद से ही लुप्त होना शुरू हो गई थी। आज तो हालत यह हो गई है कि जो नेता या अफसर जितना ज्यादा भ्रष्ट होता है वह उतनी ही दबंगई दिखाता है। उसे अभी तक यह गलतफहमी है कि उससे कोई सवाल नहीं कर सकता। जो राजनेता, मुख्यमंत्री, मंत्री सच्चे और ईमानदार हैं और यह चाहते हैं कि विकास कार्यों के लिए आबंटित धन का सदुपयोग हो, वे जनता की इस पहल का स्वागत करेंगे, क्योंकि ऐसा करने से उन्हें अपने प्रांत के बारे में जमीनी हकीकत बिना किसी लाग-लपेट के नियमित मिलने लगेगी। ऐसे में वे अपने प्रशासन को कड़े निर्देश देकर जनता की समस्याओं का हल करवा पाएंगे।- जब वे देखेंगे कि उनके बच्चों को स्कूलों में बुनियादी सुविधा मिलना तो दूर उल्टा उसके विरुद्ध आवाज उठाने पर पुलिस की दंडात्मक कार्रवाई को झेलना पड़ रहा है, तो उनका पारा भी सातवें आसमान पर चढ़ेगा। ऐसे हालातों को काबू कर पाना किसी भी मंत्री या सरकार के लिए असंभव होगा। यह तो एक शुरूआत है, जो लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है।

जब से जेन-कॉ ने जंतर मंतर पर नीट पेपर लीक के खिलाफ सफल धरने का आयोजन किया है, तब से पूरे देश के विद्या?थयों में अभूतपूर्व नवचेतना का उदय हुआ है। आज देश भर के ग्रामीण अंचलों के खस्ताहाल सरकारी स्कूलों के विद्यार्थी अपने स्कूलों की अव्यवस्था के विरुद्ध आवाज उठाने लगे हैं। उनमें स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों से सवाल पूछने की हिम्मत आ गई है। प्रसन्नता तो इस बात की है कि अब ऐसी चेतना प्राथमिक पाठशालाओं के बच्चों तक में पैदा हो गई है। वे अपने स्कूल की जर्जर या नदारद इमारत, शौचालयों का अभाव, शिक्षकों की संख्या में भारी कमी, स्कूल से मिलने वाले भोजन की खराब क्वालिटी, स्कूल तक पहुंचने वाले मार्गों की दुर्दशा, जैसे गंभीर मुद्दों पर खुलकर और संगठित होकर सवाल पूछने लगे हैं। राजस्थान के एक माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं ने तो विद्यालय के गेट पर ताला ही जड़ दिया और धरने पर बैठ गईं। उनका कहना था कि जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं हो जातीं, स्कूल का ताला नहीं खुलेगा। देश भर में पनप रही इस नई प्रवृत्ति से प्रशासन और सत्तारूढ़ दल हक्के-बक्के रह गए हैं। उन्हें जवाब देते नहीं बन रहा। सोशल मीडिया पर ऐसे दर्जनों वीडियो रोज वायरल हो रहे हैं, जिनमें ऐसे घटनाक्रम प्रमुखता से दिखाए जा रहे हैं। सबसे रोचक बात यह है कि इस तरह विरोध के स्वर उठाने वाले छात्र किसी राजनीतिक दल के बहकावे में आकर ये कदम नहीं उठा रहे। राजनीतिक दल और उनके कार्यकत्र्ता तो खुद इस नई परिस्थिति से बेचैन हैं क्योंकि आज तक जनता और शासन के बीच बिचौलिए की उनकी आत्मघोषित भूमिका अब निरर्थक होती जा रही है। यही हाल मीडिया का भी है। जो मीडिया सरकारों की चाटुकारिता या उनका प्रचारक बन कर अपने कत्र्तव्यों की इतिश्री कर रहा था, वह अचानक यह महसूस कर रहा है कि आम जनता की दृष्टि में अब उनकी कोई अहमियत नहीं बची। एक और रोचक तथ्य यह है कि ऐसी जागृति केवल भाजपा शासित राज्यों में आई हो, यह बात नहीं है। जिन राज्यों में कांग्रेस या अन्य दलों की सरकारें हैं, वहां के छात्र भी शिक्षा व्यवस्था की खामियों को लेकर अब मुखर हो गए हैं। कुछ पत्रकार तो हमेशा अपना कत्र्तव्य निष्ठा से निभाते आए हैं। इस माहौल से उत्साहित हो कर जब उन्होंने कुछ राज्यों में विद्यालयों की दुर्दशा पर रिपो?टग की तो उससे घबराकर वहां के मुख्यमंत्रियों ने ऐसे पत्रकारों के विरुद्ध पुलिस की दंडात्मक कार्रवाई शुरू करवा दी। मजे की बात यह है कि ऐसा करने वालों में वे मुख्यमंत्री भी हैं, जो दिन-रात सैंकड़ों करोड़ रुपए अपने प्रचार-प्रसार पर खर्च करके अपनी उपलब्धियों का ढिंढोरा पीटते हैं। दरअसल ऐसे मुख्यमंत्री, चाहे किसी भी दल के क्यों न हों, इस मुगालते में थे कि उनका आक्रामक प्रचार, उनके शासन की कमजोरियों को ढक लेगा। जब मीडिया ही मैनेज हो गया तो उनकी सरकारों की कमजोरियां आम जनता तक कौन पहुंचाएगा? लेकिन अब पासा पलट गया। मीडिया तो मैनेज हो गया लेकिन टैक्नोलॉजी का फायदा उठा कर अब हर छात्र एक रिपोर्टर बन चुका है। वह एक स्मार्टफोन से जमीनी हकीकत दिखाकर, सरकार के झूठे दावों की पोल खोल रहा है। यह तो एक तरह का ऐसा सैलाब है, जिसे काबू कर पाना अब किसी भी दल की सरकार के लिए नामुमकिन होगा। दो-चार पत्रकारों पर तो दंडात्मक कार्रवाई की जा सकती है लेकिन जब विद्यालयों के सैंकड़ों छात्र हकीकत बयान करने लगें तो उन पर दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जा सकती। अगर किसी मूर्ख नेता ने अहंकारवश ऐसा करने का दु:साहस किया तो वह वोट बैंक को खो देगा। क्योंकि बच्चों की पढ़ाई और उनके भविष्य को लेकर हर माता-पिता चिंतित रहता है। जब वे देखेंगे कि उनके बच्चों को स्कूलों में बुनियादी सुविधा मिलना तो दूर उल्टा उसके विरुद्ध आवाज उठाने पर पुलिस की दंडात्मक कार्रवाई को झेलना पड़ रहा है, तो उनका पारा भी सातवें आसमान पर चढ़ेगा। ऐसे हालातों को काबू कर पाना किसी भी मंत्री या सरकार के लिए असंभव होगा। यह तो एक शुरूआत है, जो लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है। लेकिन इसका दायरा अब और बढ?ा चाहिए। हर आम नागरिक को अपने परिवेश पर कड़ी नजर रखनी चाहिए। अगर उनके घर के सामने सड़क टूटी पड़ी है या उसमें पानी भर रहा है, अथवा उनके इर्दगिर्द कूड़े के अम्बार लगे हैं तो उन्हें उसकी फोटो खींच कर फौरन सोशल मीडिया पर वायरल कर देनी चाहिए, जिससे स्थानीय प्रशासन हरकत में आए और जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारी को महसूस करे। जब हर नागरिक ऐसा करना शुरू कर देगा तो भ्रष्ट अधिकारियों या राजनेताओं पर भारी दबाव पड़ेगा। उन्हें मजबूरन जनता की परेशानियों का निदान करना होगा।जब एक ही इलाके के दर्जनों या सैंकड़ों लोग एक-सी समस्याओं का खुलासा करेंगे तो फिर उन सबका सामूहिक दमन करना किसी भी प्रांतीय सरकार या स्थानीय निकायों को करना मुश्किल होगा।

राशिफल

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए सुखद रहेगा। आज आप अपने कारोबार में अच्छा लाभ कमायेंगे। आज आपके लिए जमीन या मकान खरीदने के योग बन रहे हैं। आज आपको किसी बड़ी कंपनी में जॉब करने का मौका मिलेगा। आज आपका वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा, जिससे आपको खुशी मिलेगी।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज ऑफिस में आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी , जूनियर भी आपसे इंस्पायर होंगे। आज आपका पारिवारिक माहौल शांतिपूर्ण रहेगा, जिससे आपको भी खुशी मिलेगी। आज सामाजिक कार्यों के अंतर्गत आपकी छवि मजबूत बनेगी। आज आप किसी काम की शुरूआत कर सकते हैं , आगे चलकर आपको अच्छा लाभ होगा।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आप व्यापार में अच्छा लाभ कमायेंगे लेकिन खर्च की अधिकता रह सकती है , इसका ध्यान आपको रखना होगा। आज आपको नौकरी में ट्रांसफर से जुड़ी सूचना मिल सकती है। आज आपके दांपत्य जीवन में आपसी ताल मेल बना रहेगा और आपकी आर्थिक स्थिति भी अच्छी रहेगी।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज के दिन की शुरूआत आप नए तरीके से करेंगें , आप अपनी दिनचर्या में हेल्दी फूड शामिल करेंगे। आज बच्चे आपसे अपने मन की बात शेयर कर सकते हैं , आपको उन्हें प्यार से समझाना होगा।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप अपने लिए रोजगार के नए अवसर तलाश करेंगे। आज आप अपने आपको काफी तरोताजा महसूस करेंगे, जिससे आप अपने सभी कार्यों को समय पर पूरा करने में सफल होंगे।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आप निजी जीवन से जुड़ें कुछ अहम फैसले ले सकते हैं , जिनका असर भविष्य में आपको देखने को मिलेगा। साथ ही आज आपके ऊपर परिवार की कुछजिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी, जिन्हें आप बखूबी पूरा करेंगे। आज आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने-फिरने जायेंगे , जिससे आपका मन शांत होगा।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज इस राशि के ऑटोमोबाइल क्षेत्र से जुड़े कारोबारियों को अच्छा धन लाभ होगा। आज आप किसी से बात करते समय अपने शब्दों के ऊपर नियंत्रण बनाएं रखें। आज बच्चे आपके काम में हाथ बटायेंगे , ये देखकर आपको खुशी होगी।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आप नया कारोबार शुरू करने का मन बना सकते हैं लेकिन साथ ही बड़ों की सलाह लेना उचित रहेगा। इस राशि के लेखक आज अपनी पुस्तक को पब्लिश करवा सकते हैं, जिसे लोगों के द्वारा बहुत पसंद किया जायेगा।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण साबित होने वाला है। आज आप टेक्नोलॉजी का सहारा लेकर किसी काम को जल्द ही कम्पलीट कर लेंगें। आज आप अपना करियर मीडिया के क्षेत्र में बना सकते हैं। इस राशि के प्राइवेट नौकरी में कार्यरत व्यक्तियों को आज प्रमोशन मिलने के योग बन रहें हैं। वैवाहिक जीवन में आपसी लगाव बढ़ेगा। आज आपको सभी परेशानियों से छुटकारा मिलेगा।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए बढि?ा रहेगा। आज आपको धन लाभ के कई बेहतरीन अवसर प्राप्त होंगे , जिससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। आज आप अपने पुराने कार्यों को कम्पलीट करके जल्द ही नए कार्यों की योजना बनायेंगे।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए फेवरेबल बना रहेगा। आज आप अपने बिजनेस को शिफ्ट करने से पहले उस जगह की अच्छे से जांच पड़ताल कर लें। आज आपका स्वास्थ्य फिट एंड फाइन रहेगा और आपकी सभी उलझने आज समाप्त होंगी। आज आप बच्चों के साथ खेलना पसंद करेंगे , जिससे आपका मन प्रसन्न होगा। आज आप माता-पिता के साथ किसी धार्मिक स्थल पर दर्शन के लिए जा सकते हैं।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आप फैक्ट्री को खोलने का विचार कर सकते हैं, जिसमें आप भाई की सहायता ले सकते हैं। इस राशि के आज फैशन डिजाइनर्स का दिन बेहतर रहेगा। आज आपको बिजनेस में ऑनलाइन माध्यम से बड़ा ऑर्डर मिल सकता है।

सू- दोकू क्र.156

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.155 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7

नजरिया | नीरज कुमार दुबे ।

दुनिया छोड़िए भारत अपने पड़ोस में ही बेगाना

सात अक्टूबर को मोदी के शीर्ष सरकारी पद पर रहते हुए 25 साल के मौके को खास बनाने के लिए बहुत कुछ हैं। उससे पहले उनका जन्मदिन भी है। वे 17 सितंबर को 76 साल के होंगे। पिछले साल जब अमृत वर्ष हुआ था तब इस बात की बहुत चर्चा हुई थी कि अब वे 75 साल के हो गए तो क्या पार्टी के अघोषित नियम के मुताबिक उनको रिटायर हो जाना चाहिए? उसी समय संघ प्रमुख मोहन भागवत भी 75 साल के हुए थे। फिर दोनों ने तय किया कि 75 साल का नियम दूसरे लोगों के लिए है, जो उन पर लागू नहीं होगा और दोनों अपने पद पर बने रहे।पिछले साल जुलाई में मोदी ने प्रधानमंत्री के रूप में लगातार 4,078 दिन पद पर रह कर इंदिरा गांधी का 4,077 दिन लगातार पीएम रहने का रिकॉर्ड तोड़ा था। इस साल 10 जून को एक नए रिकॉर्ड की खूब चर्चा हुई। भाजपा ने एक नई श्रेणी बनाई और कहा कि मोदी अब सबसे ज्यादा दिन पद पर रहने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री हो गए हैं। भाजपा का कहना है कि नेहरू 1947 में प्रधानमंत्री बने तो निर्वाचित नहीं थे। निर्वाचित प्रधानमंत्री वे 1952 में बने थे और लगातार 4,398 दिन पद पर रहे थे। 10 जून 2026 को मोदी

के प्रधानमंत्री पद पर 4.399 दिन पूरे हुए और उन्होंने नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ दिया। मोदी की इन दोनों उपलब्धियों में लगातार और निर्वाचित शब्द महत्वपूर्ण है क्योंकि सबसे ज्यादा समय तक प्रधानमंत्री रहने के मामले में वे अब भी इंदिरा गांधी से तीन साल और नेहरू से पांच साल पीछे हैं। जब भाजपा और केंद्र सरकार इस बात का उत्सव मना रहे थे कि मोदी लगातार सबसे ज्यादा दिन निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने वाले नेता बन गए हैं और नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ दिया है तब हिंदी के एक लेखक ने तंज करते हुए लिखा था कि मोदी जब 79 साल के होंगे तब वे धरती पर महात्मा गांधी से ज्यादा सांस लेने का रिकॉर्ड तोड़ देंगे।

बहरहाल, उनके नाम से अनगिनत रिकॉर्ड दर्ज हो गए हैं। वे लगातार सबसे ज्यादा दिन प्रधानमंत्री रहने वाले निर्वाचित नेता हैं, मुख्यमंत्री रहते पीएम पद के दावेदार घोषित होने और पीएम बनने वाले पहले नेता हैं, दोनों पद मिला कर 25 साल रहने वाले पहले नेता हैं, संसद की सीढि?ों पर माथा टेकने वाले पहले नेता हैं, संविधान को माथे से लगा कर सेंट्रल हॉल में भाषण देने वाले पहले नेता हैं, नए संसद भवन में बतौर प्रधानमंत्री बोलने वाले पहले नेता हैं। आदि, आदि। सोचें, उन्होंने क्या क्या रिकॉर्ड नहीं बनवाए। नेहरू ने आजादी की आधी रात को भाषण दिया था तो मोदी ने भी आधी रात को संसद का सत्र बुला कर जीएसटी कानून लागू कराया था। 'एक देश, एक कानून का ढिंढोरा पीटा गया है, जबकि वास्तविकता यह है कि देश अब भी कई तरह के टैक्स से जूझ रहा है। गुजरात का मुख्यमंत्री रहते जीएसटी का विरोध करने वाले मोदी ने जिस धूमधाम से जीएसटी लागू किया वह हैरान करने वाला था। नोटबंदी के तुरंत बाद लागू किए गए जीएसटी ने देश के छोटे व मझोले उद्यम के इकोसिस्टम को तबाह कर दिया। फिर भी नोटबंदी भी उपलब्धि है और जीएसटी भी उपलब्धि है। लोग कहेंगे कि अब मोदीजी नोटबंदी पर नहीं बोलते हैं। उनको बोलने की जरुरत नहीं है। अभी एक भव्य बजट की फिल्म बनवा कर दिखाया गया है कि नोटबंदी का देश को कितना फायदा मिला।

एक देश, एक टैक्स की तरह प्रधानमंत्री को एक देश, एक कुछ भी करने का जुनून है। तभी एक देश, एक परीक्षा के लिए एनटीए का गठन किया गया। देश के इतिहास में इतना नाकारा कोई संगठन आज तक नहीं बना है। आए दिन पेपर लीक, परीक्षा में गड़बड़ी, धांधली आदि की खबरें आती हैं। अभ्यर्थियों की संख्या के लिहाज से सबसे बड़ी परीक्षा मेडिकल में दाखिले की नीट यूजी परीक्षा होती है। पिछली तीन परीक्षाओं में से दो में पेपर लीक हो गए और परीक्षा केंद्रों पर धांधली हुई।

विचार

छत्तीसगढ़ में नीतिगत बदलावों से विकास को मिली नई रफ्तार

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किए गए बड़े नीतिगत सुधारों और जनकल्याणकारी फैसलों ने राज्य के समग्र विकास को एक नई दिशा दी है। प्रशासनिक पारदर्शिता, सुशासन और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में उठाए गए कदमों से हर वर्ग के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार के ढाई वर्ष से ज्यादा केवल योजनाओं और घोषणाओं को जमीनी स्तर पर उतारने के ही नहीं, बल्कि कई क्षेत्रों में व्यवस्था बदलने वाले फैसलों के रहे हैं। सरकार ने एक ओर गरीब, किसान और महिलाओं से जुड़ी योजनाओं को तेजी से जमीन पर उतारा, वहीं दूसरी ओर उद्योग, शिक्षा, खनिज, डिजिटल गवर्नेंस और बस्तर के विकास में लंबे समय तक असर डालने वाले नीतिगत सुधार शुरू किए। सरकार बनने के तुरंत बाद सबसे बड़ा फैसला प्रधानमंत्री आवास को लेकर हुआ। पहली कैबिनेट में ही 18 लाख से अधिक जरूरतमंद परिवारों के आवास की स्वीकृति देने का निर्णय लिया गया। प्रधानमंत्री आवास (ग्रामीण) में अब तक 24.40 लाख आवास स्वीकृत हो चुके हैं। प्रदेश में औसतन करीब 1,600 आवास प्रतिदिन पूरे किए जा रहे हैं। ढाई वर्षों में पुराने और नए स्वीकृत आवास मिलाकर 11 लाख से अधिक घर लाभार्थियों को सौंपे जा चुके हैं।

इसी तरह सरकार ने धान खरीदी को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की बड़ी ताकत बनाया। किसानों को 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान बेचने की सुविधा दी गई। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में 25.24 लाख किसानों से 141.04 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा गया। समर्थन मूल्य और कृषक उन्नति योजना को मिलाकर किसानों को लगभग 43,723 करोड़ रुपए की राशि दी गई। खरीदी व्यवस्था में ऑनलाइन टोकन, बायोमेट्रिक सत्यापन और रियल टाइम मॉनिटरिंग जैसे सुधार किसानों के लिए काफी सुविधाजनक रहे। महिला सशक्तिकरण साय सरकार की प्रमुख पहचान के रूप में उभरा है। महतारी वंदन योजना की 31 किस्तों में लगभग 68 लाख पात्र महिलाओं को 20 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि सीधे खातों में दी जा चुकी है। प्रदेश में 13.85 लाख महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। बिहान मिशन में प्रदेश के 31 लाख से अधिक गरीब परिवारों की महिलाएं स्व-सहायता समूहों से जुड़ी हैं। महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने के लिए संपत्ति की रजिस्ट्री में पंजीयन शुल्क में 50 प्रतिशत और स्टाम्प शुल्क में एक प्रतिशत की रियायत दी गई है।

कॉकरोच की हो गई बहुत बड़ी एप्रोच

जापान के प्रधानमंत्री की टेबल पर कॉकरोच पहुंच गया। पढ़ा तो आश्चर्य हुआ। सुना है कि इस घटना के बाद प्रधानमंत्री का कहना है कि उसके जाने के बाद अकेलापन और उदासी भर गई है।लो भाई, जापान के प्रधानमंत्री की टेबल पर कॉकरोच पहुंच गया। पढ़ा तो आश्चर्य हुआ। सुना है कि इस घटना के बाद प्रधानमंत्री का कहना है कि उसके जाने के बाद अकेलापन और उदासी भर गई है। हालांकि अविश्वसनीय है, पर हो सकता है इतनी ऊंची कुर्सी पर बैठने के बाद कॉकरोच की उपस्थिति किसी इंसान के अकेलेपन को दूर कर सकती है। शायद इसीलिए जज साहब ने कॉकरोच का ज़िक्र किया होगा। वह भी तो ऊंची कुर्सी पर बैठे हैं। हो सकता है उनकी हथौड़ी और फाइल के बीच उन्हें कोई कॉकरोच बेखौफ घूमता-फिरता नजर आया हो और जबान बेकाबू हो गई हो। उस वक्त किसी पुराने केस की फाइल को देख रहे होंगे।वैसे भी देश की अदालतों में फाइलों के ढेर लगे रहते हैं। और उनमें कई बदनसीब फाइलें अदालत की चौखट पर लटकी-लटकी अंततः आत्महत्या कर लेती हैं। कभी-कभी तो बिना देखे ही तिया-पांचा हो जाता है। जिरहबाज भी गजब के हैं। वे आलमारी में रखी फाइलें क्लाइंट को दिखाते हैं, ताकि क्लाइंट समझ ले कि वे बड़े वाले हैं। और तो और, कुर्सी के पीछे रखी अदद एक आलमारी में कानूनी किताबों की भरमार होती है। इतनी किताबें देख क्लाइंट बौरा जाता है।खैर, कॉकरोच की उपस्थिति के और भी कारण हो सकते हैं। जैसे कि उसके भाई-बंधु, दूसरे कीड़े-मसलन झींगुर, मक्खी, मच्छर इत्यादि का होना। जो सतत आवाज निकालते रहते हैं। आदमी के अकेलेपन के सच्चे साथी होते हैं। खाते-पीते कम हैं, पर शोर ज्यादा मचाते हैं। अगर पीने की बात हो तो मच्छर की कर्कश आवाज बंद हो जाती है और गंदगी पर मक्खी चुपचाप बैठ जाती है। पर इंसान के अनर्गल प्रलाप बने रहते हैं। जो सच्चाई मशीनें पता नहीं कर पातीं, वह दारू के दो घूंट गले से नीचे उतरते ही उगल देता है।फिर भी कॉकरोच का मोहतरमा की टेबल पर दिखना भविष्य में बड़ी समस्या का कारण बन सकता है। हालांकि जापान में अतिथियों के स्वागत-सत्कार में ह्यटी-सेरेमनीह्न की जाती है। पर यहां तो बोतल पकड़ा कर सस्ते में भाई बना लिया करते हैं लोग। आश्चर्य होता है कि हमारे यहां धमाल मचाने वाले कॉकरोच जापान पहुंच गए? आखिर वे वहां क्या कर रहे हैं? कहीं जेन जी वाला प्रोग्राम करने का इरादा तो नहीं है?दरअसल, आजकल हमारे किचेन में प्योर जूठन नहीं मिलती। एनालॉग जूठन है। हो सकता है कि कल आटा, दाल, चावल, मिर्च-मसाले, तेल-पानी सब एनालॉग हो जाएं।

शब्द सामर्थ्य -156

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रुप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

ऊपर से नीचे

1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

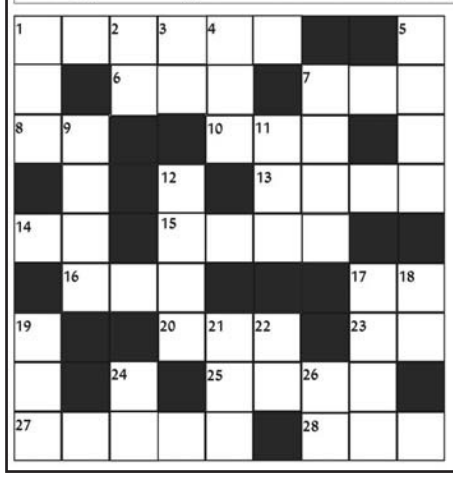

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 155 का हल

भू	कं	प	■	फा	य	दा	■	स
प	■	ल	ला	ट	■	य	ती	म
ति	ल	क	■	क	न	क	■	झ
■	क्ष्म	■	■	■	रे	■	■	■
ग	ण	क	■	सं	श	य	■	सौ
ह	■	या	च	क	■	म	न्न	त
रा	क्ष	स	■	र	क्ष	क	■	न
■	त्रि	■	■	■	मि	■	■	■
शा	य	री	■	का	त	र	■	गो

आबकारी विभाग के कर्मचारी पर शराब प्रकरण बनाने की धमकी देकर 90 हजार रुपये लेने का आरोप, कलेक्टर से शिकायत

पीड़ित ने कहा- कार्रवाई के डर से सोने-चांदी के आभूषण बेचकर दी रकम

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। आबकारी विभाग के एक अधिकारी पर शराब का प्रकरण बनाने की धमकी देकर 90 हजार रुपये लेने का गंभीर आरोप लगा है। बकायदा रिश्वत की रकम के लिए घर के आभूषणो को बेचने की बात कही गयी हैं।

जिस नंबर से धमकी भरा फोन किया गया वह आबकारी विभाग के आरक्षक पीताम्बर चौधरी के नाम पर दर्ज हैं। इस आरक्षक पर विभाग में इस प्रकार की यह पहली शिकायत नहीं हैं इससे पूर्व भी कलेक्टर से ऐसे ही लेने देंन के सम्बध में शिकायत हो चुकी हैं जिसके जाँच की अभी तक कोई परिणाम सामने नहीं आया हैं। वैसे ही फिंगेश्वर के शराब दुकान में चखना सेंटर में अवैध वसूली का आरोप लगा था । बहरहाल अभी फिर नई शिकायत ग्राम केवटाडीह,थाना छुरा निवासी धनुराम के पिता रामसिंग मांझी जो दिव्यांग है ने कलेक्टर को लिखित शिकायत सौंपकर मामले की जांच और कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत में बताया गया है कि जुलाई 2026 में आबकारी वृत्त गरियाबंद के एक अधिकारी द्वारा शराब का प्रकरण बनाने की धमकी दी गई। शिकायतकर्ता का आरोप है कि कार्रवाई से बचाने के नाम पर उससे 7999574565 मोबाइल नम्बर से धमका कर 90 हजार रुपये लिए गए तथा कहा गया कि उसके खिलाफ किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की जाएगी। शिकायतकर्ता के मुताबिक,इसके बाद भी 9 सितंबर 2026 को धारा 36 आबकारी अधिनियम के तहत न्यायालय में इस्तगासा पेश किया गया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कार्रवाई की धमकी के कारण परिवार मानसिक और आर्थिक परेशानी से गुजर रहा है। कथित कार्रवाई के डर से परिवार के लोगों से पैसे मांगने के साथ-साथ सोने-चांदी के आभूषण बेचकर भी रकम जुटानी पड़ी।

परिवार ने कलेक्टर से लगाई न्याय की गुहार

शिकायतकर्ता ने स्वयं को गरीब परिवार का बताते हुए कहा है कि वह रोजी-मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता है।उसका आरोप है कि आबकारी विभाग की कथित धमकी के चलते उसे आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। शिकायत में कलेक्टर से संबंधित अधिकारी के विरुद्ध जांच कर कानूनी कार्रवाई करने तथा कथित रूप से ली गई रकम वापस दिलाने की मांग की गई है। इस 90 हजार की वसूली में बकायदा कार वाशिंग सेंटर में ऑनलाइन पेमेंट के माध्यम से दस हजार रूपये डाले गए जिसकी भी जांच की जानी चाहिए। गांव के गरीब आदमी द्वारा आखिर किसकी कार की धुलाई का भुगतान करवाया गया हैं?

शिकायत के बाद उठे कई सवाल

मामले में शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए आरोपों की पुष्टि फिलहाल नहीं हुई है। ऐसे में जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि 90 हजार रुपये लिए जाने और शराब प्रकरण में कार्रवाई की धमकी देने के आरोप कितने सही हैं । हालांकि,शिकायत सामने आने के बाद आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली और शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों की निष्पक्ष जांच की मांग जोर पकड़ रही है।

ज्ञात हो को इससे पूर्व में आबकारी विभाग के अधिकारी बनकर वहां के कर्मचारियों द्वारा शराब बनाने के झूठे केश में फ़साने की धमकी देकर अवैध वसूली की शिकायत आते रही है फिर भी आबकारी विभाग के जिला स्तर के अधिकारी के चुप्पी से अवैध वसूली में उनकी संलिप्तता स्पष्ट झलकती है। अब देखना होगा कि ऐसे शिकायत कलेक्टर के सामने पेश होने पर उन आरोपियों के खिलाफ क्या ठोस कार्यवाही किया जायेगा या यह शिकायत उसी विभाग के अफसरों को देकर यह जाँच भी ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा । इसकी जाँच में न केवल प्रशासनिक अफसर बल्कि पुलिस को भी जाँच में शामिल कर आरोपी सहित प्रार्थी के फोन कॉल डिटेल सहित भूगतान की जाँच होनी चाहिए।

धरातल पर सबसे भ्रष्ट विभाग, कार्यशीली भी संदेह के दायरे में

आदिवासी क्षेत्र होने के कारण ग्रामीण क्षेत्र में कंहा शराब कितनी मात्र में कौन बना रहा हैं यह विभाग के दरोगा सहित आरक्षकों को मालूम होता हैं। यह धंधा दोनों के मिली भगत से फल फूल रहा हैं कई जगह शराब पकड़ने के दौरान एक दो लीटर को पानी मिला कर बीस लीटर करने की धमकी देकर भारी भरकम रकम की मांग की जाती हैं। चुपचाप देने पर केस नहीं बनाया जाता लेकिन कई बार रुपए लेने के बावजूद हल्ला होने के डर से केस बनाया जाता हैं। पहले से विभाग के कार्यालय में रखी शराब कोर्ट में पेश कर दी जाती हैं। अगर उन शराब की जाँच की जाय तो आधे से ज्यादा पानी मिला दिखेगा ।

जिला मुख्यालय के आस पास जमकर बिक रही अवैध देशी महुआ शराब

आबकारी विभाग द्वारा जिला मुख्यालय के आस पास के ग्राम शोहगपुर, गजईपूरी, बेहराबुड़ा, कोदोबत्तर, नागाबुड़ा, कोड़ोहरदी, बमहनी ,पेंड्रा, खट्टी, पंडरीपानी, पारागांव, हसोदा में शाम ढलते ही पूरे माहौल में महुआ शराब की महक फैल जाती हैं यह गांव जबरदस्त देसी महुआ शराब के अड्डे बने हुए हैं। आबकारी विभाग केवल यंहा वसूली करने जाता हैं या उनके आदमी वसूली कर ला देते हैं। कार्यवाही के नाम पर कुछ नहीं।

एक दरोगा कई जगह का प्रभार

गजब का प्रशासनिक खेला हैं की एक दरोगा के भरोसे जिले के कई ब्लाक हैं, दरोगा का एक पैर राजधानी में तो एक पैर जिला मुख्यालय में होता हैं कभी भी अपने दफ्तर में नहीं पाए जाते। अपने विभागीय गुर्गो के सहारे वसूली का हिसाब लेने पहुंच जाते हैं ज़ब भी कार्यालय में जाओ तो साहब दौरे पर गए हैं कहा जाता हैं। पता नहीं साहब कंहा होते हैं। चखना सेंटर में सुविधाओं से लेकर अवैध शराब पर अंकुश लगाने के नाम पर केवल औपचारिकता ही निभाई जा रही हैं।

जिला अस्पताल में साप्ताहिक डायबिटीज क्लीनिक का शुभारंभ

बिलासपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिला अस्पताल बिलासपुर में बच्चों एवं किशोरों में होने वाले टाइप-1 डायबिटीज के बेहतर प्रबंधन और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से साप्ताहिक टाइप-1 डायबिटीज क्लीनिक का शुभारंभ किया गया। क्लीनिक के माध्यम से टाइप-1 डायबिटीज से प्रभावित बच्चों को नियमित चिकित्सकीय परामर्श और आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। क्लीनिक में बच्चों को बीमारी के बेहतर प्रबंधन के संबंध में मार्गदर्शन देने के साथ-साथ काउंसलिंग की सुविधा भी प्रदान की जाएगी। इसके अलावा जरूरतमंद बच्चों को निःशुल्क इंसुलिन उपलब्ध कराया जाएगा। बच्चों के साथ उनके अभिभावकों को भी मधुमेह के बेहतर प्रबंधन, नियमित फॉलोअप और आवश्यक सावधानियों के संबंध में जानकारी दी जाएगी।

विलियम जे. क्लिंटन फाउंडेशन एवं जिला चिकित्सालय बिलासपुर के तकनीकी सहयोग से यह क्लीनिक प्रत्येक बुधवार नियमित रूप से संचालित किया जाएगा। इससे टाइप-1 डायबिटीज से प्रभावित बच्चों को अपने नजदीक ही निरंतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी। क्लीनिक के शुभारंभ अवसर पर सिविल सर्जन जिला अस्पताल, पेडियाट्रीशियन, प्रमुख चिकित्सक, अस्पताल सलाहकार, स्टाफ नर्स एवं काउंसलर सहित संबंधित स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

281 किलो गांजा तस्करी का मुख्य सप्लायर देवगढ़ से गिरफ्तार

महासमुंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। पुलिस ने 281.900 किलो गांजा तस्करी के मामले में कार्रवाई करते हुए इसके मुख्य सप्लायर और बैकवर्ड लिंक तक पहुंच बनाई है। सिंघोड़ा पुलिस ने तकनीकी जांच और गिरफ्तार तस्करों के मोबाइल डाटा के विश्लेषण के आधार पर ओडिशा के देवगढ़ जिले के गुलाबबंद निवासी किशोर कुमार नायक (36) को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार किशोर महाराष्ट्र के पांच आरोपियों को गांजा उपलब्ध कराने वाला मुख्य सोर्स था। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

दरअसल, 3 अप्रैल 2026 को सिंघोड़ा पुलिस को मुखबिर से गांजा तस्करी की सूचना मिली थी। पुलिस ने एनएच-53 पर ग्राम रेहटीखोल के पास नाकाबंदी कर फॉर्च्यूनर और स्कॉर्पियो को रोका। तलाशी लेने पर दोनों वाहनों से कुल 281.900 किलो गांजा बरामद हुआ, जिसकी कीमत करीब 1 करोड़ 40 लाख 95 हजार रुपए आंकी गई। गांजा वाहनों की सीटों के अंदर छिपाकर ले जाया जा रहा था। पुलिस ने मौके से महाराष्ट्र के पांच आरोपियों प्रशांत शंकर गोले, क्षितिज वीरसेन जाधव, महेश काटकर, अभिषेक डेविड जगले और अक्षय नंदकुमार निगम को गिरफ्तार किया था। पूछताछ और जब्त मोबाइल फोन से मिले डाटा की तकनीकी जांच के दौरान पुलिस को गांजा की सप्लाई के मुख्य स्रोत के संबंध में महत्वपूर्ण सुराग मिले। जांच में सामने आया कि आरोपी गांजा ओडिशा से लोड कर पुणे (महाराष्ट्र) ले जा रहे थे। पुलिस ने गांजा परिवहन में प्रयुक्त फॉर्च्यूनर कार क्रमांक एम एच 12 डब्ल्यू सी 0090 और स्कॉर्पियो क्रमांक एम एच 12 वाय एच 0925, चार मोबाइल फोन सहित कुल 2 करोड़ 6 लाख 45 हजार रुपए की संपत्ति जब्त की थी।

इसके बाद पुलिस ने मामले में इंड-टू-इंड जांच करते हुए परिवहनकर्ताओं से मिली जानकारी और मोबाइल डाटा का तकनीकी विश्लेषण किया।

राज्य स्तरीय शालेय बैडमिंटन प्रतियोगिता में गरियाबंद के दो खिलाड़ियों का चयन

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता वर्ष 2026-27 के अंतर्गत 10 सितंबर को स्थानीय बैडमिंटन इंडोर स्टेडियम में संभाग स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में रायपुर, गरियाबंद, धमतरी, महासमुंद एवं बलौदाबाजार जिले के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया।

इस प्रतियोगिता में गरियाबंद जिले के 14 वर्ष, 17 वर्ष एवं 19 वर्ष आयु वर्ग के छात्र-छात्राओं ने भी भाग लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर गरियाबंद के दो प्रतिभावान खिलाड़ियों का चयन राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के लिए हुआ है।

14 वर्ष बालक वर्ग में एंजेल्स एंग्लो हाई स्कूल, गरियाबंद के छात्र कुशाग्र सोम तथा 17 वर्ष बालिका वर्ग में कुमारी पद्मिनी साहू का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया है।

राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन 23 अक्टूबर से 26 अक्टूबर 2026 तक सरगुजा जिले में किया जा रहा है, जिसमें संभाग स्तरीय प्रतियोगिता से चयनित खिलाड़ी शामिल होंगे।

दोनों खिलाड़ियों के चयन से उनके परिवार, विद्यालय एवं आसपास के क्षेत्र में खुशी का माहौल है। बताया गया कि कुशाग्र सोम एवं पद्मिनी साहू के परिवार शुरू से ही खेलों के प्रति आकर्षित रहे हैं और बच्चों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए लगातार प्रोत्साहित करते रहे हैं।

राज्य एवं राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों को तैयार करने में स्कूल कोच महेंद्र सिंह ठाकुर का विशेष योगदान रहा है। उनके मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने नियमित अभ्यास करते हुए संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया।

खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर स्कूल के प्राचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाओं, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, समस्त पीटीआई संघ, जिला शिक्षा अधिकारी एवं कलेक्टर ने शुभकामनाएं देते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन की कामना की है।

वरिष्ठ फोटोग्राफर सम्मान से सम्मानित हुये मोहम्मद सलीम

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ प्रदेश फोटोग्राफर वेलफेयर एसोसिएशन तथा जिला गरियाबंद फोटोग्राफर संघ द्वारा फोटोग्राफी के क्षेत्र में लंबे समय से उल्लेखनीय योगदान देने वाले वरिष्ठ छायाकार मोहम्मद सलीम को "वरिष्ठ छायाकार सम्मान" से सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में एसोसिएशन के द्वारा, फोटोग्राफी के प्रति उनके वर्षों के समर्पण, सेवा, उत्कृष्ट योगदान और नई पीढ़ी के फोटोग्राफरों के लिये प्रेरणास्रोत बने रहने की सराहना करते हुये उन्हें सम्मान-पत्र प्रदान किया गया। सम्मान-पत्र में उल्लेख किया गया कि मोहम्मद सलीम वर्ष 1983 से गरियाबंद में फोटोग्राफी कला से जुड़े रहे और अपने अनुभव,मेहनत एवं समर्पण से इस क्षेत्र को नई पहचान देने के साथ युवा फोटोग्राफरों का मार्गदर्शन भी करते रहे हैं। जिला गरियाबंद फोटोग्राफर संघ ने उनके दीर्घ अनुभव और समर्पित सेवाओं को अपनी धरोहर बताते हुये कहा कि उनकी कला और कार्यशैली आने वाली पीढ़ियों के लिये प्रेरणा का स्रोत है। कार्यक्रम के दौरान संघ के अध्यक्ष भुनेश्वर सोनी, सचिव निमेष साहू तथा कोषाध्यक्ष भीम निषाद सहित अन्य फोटोग्राफरों की उपस्थिति रही।

190 रूपए की शराब 200 रूपए में बेचने का खुलासा, दो अफसर निलंबित

रायपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। देश में शराब की निर्धारित दर से अधिक कीमत पर बिक्री और अवैध शराब निर्माण के खिलाफ आबकारी विभाग ने सख्त कार्रवाई की है। राज्य स्तरीय उड़नदस्ता की जांच में महासमुंद जिले की कम्पोजिट मदिरा दुकान तुमा डबरी (बेमचा) में निर्धारित कीमत से अधिक दर पर शराब बेचने की पुष्टि होने के बाद आबकारी उप निरीक्षक नितेश सिंह बैस को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। वहीं, कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर क्षेत्र में अवैध शराब निर्माण से जुड़ी सामग्री की बड़ी बरामदगी के मामले में आबकारी उप निरीक्षक रानू मरकाम तथा जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय के प्रभारी सहायक जिला आबकारी अधिकारी मधुकर श्याम हरित के खिलाफ भी निलंबन की कार्रवाई की गई है।

राज्य स्तरीय उड़नदस्ता की टीम ने 07 सितंबर 2026 को महासमुंद जिले की कम्पोजिट मदिरा दुकान तुमा डबरी (बेमचा) में आकस्मिक निरीक्षण किया। छद्मक्रेता के माध्यम से कराए गए सत्यापन में दुकान में कार्यरत विक्रयकर्ता क्रमांक 01 श्री दिनेश्वर धुरव द्वारा विदेशी मदिरा बैगपाईपर व्हिस्की का 01 नग पाव, शासन द्वारा निर्धारित विक्रय दर 190 रुपये के स्थान पर 200 रुपये में बेचना पाया गया। इसके बाद पुनः खरीद परीक्षण में विक्रयकर्ता क्रमांक 02 श्री गुलाब डहरीया द्वारा भी यही मदिरा 190 रुपये के स्थान पर 200 रुपये में बेची गई।

इस तरह 02 नग पाव की खरीद में निर्धारित 380 रुपये के स्थान पर 400 रुपये वसूल किए गए, यानी दोनों विक्रयकर्ताओं द्वारा कुल 20 रुपये अधिक लिए गए। मामले में दोनों विक्रयकर्ताओं के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 39 (ग) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है।

विभाग ने इस मामले को संबंधित प्रभार क्षेत्र में प्रभावी निगरानी के अभाव और शिथिल नियंत्रण का गंभीर मामला माना। इसके बाद श्री नितेश सिंह बैस, आबकारी उप निरीक्षक, मदिरा दुकान प्रभारी एवं वृत्त प्रभारी महासमुंद को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम 9 (1) के अंतर्गत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय कार्यालय उपायुक्त आबकारी, संभागीय उड़नदस्ता दुर्ग संभाग, दुर्ग (छ.ग.) निर्धारित किया गया है तथा नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

कांकेर में अवैध शराब निर्माण की बड़ी तैयारी का खुलासा

इधर, जिला उत्तर बस्तर कांकेर के भानुप्रतापपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बसंत नगर (नारायणपुर) में पुलिस की छापामार कार्रवाई में एक सूने/बंद किराए के मकान से अवैध मदिरा निर्माण से संबंधित बड़ी मात्रा में सामग्री बरामद की गई। कार्रवाई में 4409 नग खाली शराब की बोतल/पौवा, 105 पत्ता स्टीकर एवं होलोग्राम तथा 3380 ढक्कन सहित अन्य सामग्री जब्त की गई है। जब्त सामग्री में 30 नग पौवा जम्मू स्पेशल व्हिस्की भरी हुई, कुल 5.400 लीटर, कीमत 3600 रुपये भी शामिल है। इसके अलावा विभिन्न ब्रांडों के स्टीकर एवं होलोग्राम की कीमत 59,645 रुपये बताई गई है। कुल खाली बोतल/पौवा की संख्या 4409 नग है, जिसकी कीमत 22,045 रुपये बताई गई है। वहीं विभिन्न प्रकार के कुल 3380 नग ढक्कन भी बरामद किए गए हैं।

रानू मरकाम और मधुकर श्याम हरित पर भी गिरी गाज

यह प्रकरण रानू मरकाम, आबकारी उप निरीक्षक, मदिरा दुकान प्रभारी एवं वृत्त प्रभारी भानुप्रतापपुर के प्रभार क्षेत्र में आता है।

उनके क्षेत्र में इतनी गंभीर अनियमितता पाए जाने को कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही, उदासीनता एवं शिथिल नियंत्रण का परिचायक मानते हुए उन्हें छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम 9 (1) के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, कांकेर रहेगा तथा नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। इसी मामले में मधुकर श्याम हरित, सहायक जिला आबकारी अधिकारी एवं प्रभारी, जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय, जिला उत्तर बस्तर कांकेर के विरुद्ध भी प्रथम दृष्टया गंभीर लापरवाही, कर्तव्य के प्रति उदासीनता तथा प्रभावी पर्यवेक्षण एवं सतत निगरानी के अभाव को देखते हुए निलंबन की कार्रवाई की गई है।

नेशनल लोक अदालत आज

उत्तर बस्तर कांकेर। जिला न्यायालय कांकेर एवं जिले के सभी तहसील स्तरीय न्यायालयों में 12 सितंबर दिन शनिवार को वर्ष 2026 की तृतीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। नेशनल लोक अदालत के माध्यम से लंबित प्रकरणों का आपसी सहमति एवं समझौते के आधार पर त्वरित, सुलभ एवं निःशुल्क निराकरण किया जाएगा।

नेशनल लोक अदालत में बैंक संबंधी प्रकरण, बिजली बिल एवं टेलीफोन बिल विवाद, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण, पारिवारिक एवं वैवाहिक विवाद, चेक बाउंस प्रकरण (धारा 138 एन.आई. एक्ट), सिविल प्रकरण तथा अन्य समझौतापूर्ण प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा। इसके माध्यम से पक्षकार आपसी सहमति से अपने विवादों का सरल एवं सौहार्दपूर्ण समाधान प्राप्त कर सकेंगे।

आत्मसमर्पण से आत्मनिर्भरता तक : आजीविका डबरी ने बदली चंदन बघेल की जिंदगी

नारायणपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। चंदन बघेल, जिला नारायणपुर के ग्राम पंचायत तुरठा के निवासी हैं। पूर्व में वे नक्सली संगठन से जुड़े हुए थे तथा नक्सली गतिविधियों में सम्मिलित रहे। शासन की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से प्रेरित होकर उन्होंने आत्मसमर्पण किया और समाज की मुख्यधारा में लौटकर एक सम्मानजनक जीवन जीने का निर्णय लिया। मुख्यधारा में लौटने के बाद शासन द्वारा उन्हें विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। इसी क्रम में उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास की स्वीकृति प्रदान की गई तथा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत् आजीविका डबरी निर्माण कार्य स्वीकृत किया गया।

चंदन बघेल की आजीविका मुख्य रूप से कृषि पर आधारित है। उनके पास लगभग 2 एकड़ असिंचित कृषि भूमि है, जिस पर वे वर्षाकाल में धान की खेती करते हैं। इसके अतिरिक्त वे साप्ताहिक हाट बाजारों में सब्जियों का विक्रय कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। खेती-किसानी एवं मेहनत-मजदूरी ही उनके परिवार की आय का प्रमुख स्रोत है। हालांकि, सिंचाई सुविधा के अभाव में उनकी कृषि गतिविधियाँ वर्षों पर निर्भर थीं, जिससे स्थायी एवं नियमित आजीविका सुनिश्चित करना एक बड़ी चुनौती थी। इस समस्या के समाधान हेतु जिला प्रशासन द्वारा मनरेगा के अंतर्गत आजीविका डबटी निर्माण कार्य स्वीकृत किया गया। संबंधित विभागों के समन्वित प्रयासों से डबरी निर्माण कार्य पूर्ण कराया गया।

आजीविका के स्थायी साधन विकसित करने के उद्देश्य से मत्स्य पालन विभाग द्वारा डबरी में मत्स्य पालन के लिए तकनीकी मार्गदर्शन एवं मछली बीज उपलब्ध कराने की कार्ययोजना बनाई गई है। वहीं उद्यानिकी विभाग द्वारा सब्जी उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु तकनीकी सहयोग एवं आवश्यक कृषि आदानों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। विभिन्न विभागों के इस अभिसरण (ब्वदअमतहमदबम) से चंदन बघेल को बहुआयामी आजीविका के अवसर प्राप्त हो

रहे हैं। आज चंदन बघेल आत्मनिर्भर जीवन की ओर अग्रसर हैं। शासन की पुनर्वास नीति एवं ग्रामीण विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन ने उन्हें न केवल सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर प्रदान किया है, बल्कि समाज के अन्य लोगों के लिए भी एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है कि सही अवसर, सहयोग और दृढ़ संकल्प से जीवन में सकारात्मक परिवर्तन संभव है।

महात्मा गांधी नरेगा हस्तक्षेप :

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) अंतर्गत आजीविका डबरी के निर्माण कार्य की स्वीकृति मिलने से ग्राम के हितग्राही चंदन बघेल एवं उनका परिवार अत्यंत उत्साहित है। डबरी निर्माण कार्य के दौरान उन्हें मनरेगा के तहत रोजगार प्राप्त हुआ, जिससे उनकी आय में वृद्धि हुई। बघेल द्वारा डबरी निर्माण स्थल से लगी भूमि पर पूर्व से ही सब्जी एवं भाजी का उत्पादन किया जाता रहा है, किंतु सिंचाई की पयप्ति सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण वे पूरे वर्ष इसका लाभ नहीं ले पाते थे। डबरी के निर्माण से वर्षा जल का संचयन होगा तथा सिंचाई हेतु स्थायी जल उपलब्ध रहेगा। डबरी निर्माण पूर्ण होने के उपरांत अब उनकी कृषि भूमि को नियमित सिंचाई सुविधा प्राप्त होगी, जिससे सब्जी उत्पादन में वृद्धि होगी। इससे न केवल परिवार की आय बढ़ेगी, बल्कि वर्षभर रोजगार एवं पोषण सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। इस प्रकार मनरेगा के माध्यम से निर्मित आजीविका डबरी, चंदन बघेल एवं उनके परिवार के लिए आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन रही है।

लाभार्थी का अनुभव :

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) अंतर्गत आजीविका डबरी के निर्माण कार्य की स्वीकृति मिलने से ग्राम के हितग्राही चंदन बघेल एवं उनका परिवार अत्यंत उत्साहित है।

डबरी निर्माण कार्य के दौरान उन्हें मनरेगा के तहत रोजगार प्राप्त हुआ, जिससे उनकी आय में वृद्धि हुई। बघेल द्वारा डबरी निर्माण स्थल से लगी भूमि पर पूर्व से ही सब्जी एवं भाजी का उत्पादन किया जाता रहा है, किंतु सिंचाई की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण वे पूरे वर्ष इसका लाभनहीं ले पाते थे। डबरी के निर्माण से वर्षा जल का संचयन होगा तथा सिंचाई हेतु स्थायी जल उपलब्ध रहेगा। डबरी निर्माण पूर्ण होने के उपरांत अब उनकी कृषि भूमि को नियमित सिंचाई सुविधा प्राप्त होगी, जिससे सब्जी उत्पादन में वृद्धि होगी। इससे न केवल परिवार की आय बढ़ेगी, बल्कि वर्षभर रोजगार एवं पोषण सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। इस प्रकार मनरेगा के माध्यम से निर्मित आजीविका डबरी, चंदन बघेल एवं उनके परिवार के लिए आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन रही है।

वैभव सूर्यवंशी को ईशान किशन ने कहा- 'फ्यूचर कैप्टन', बोले- आने वाले दिनों में वो और भी ज्यादा खतरनाक हो जाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। 10 सितंबर को ईस्ट जोन की टीम ने दलीप ट्रॉफी 2026 का खिताब जीता। ईस्ट जोन ने पहली पारी में बढ़त हासिल करके साउथ जोन को हराया। ईस्ट जोन की टीम ने तीसरी बार दलीप ट्रॉफी अपने नाम की। जीत के बाद ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन और उप-कप्तान वैभव सूर्यवंशी का एक मजेदार वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में ईशान किशन ने वैभव द्वारा लिए गए DRS फैसले, उनकी कप्तानी और उनके खेल को लेकर बात की।

यह वीडियो बीसीसीआई डोमेस्टिक के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर शेयर किया गया है। वीडियो की शुरुआत में वैभव से कुछ सवाल पूछने की तैयारी चल रही थी, लेकिन उनके बोलने से पहले ही ईशान किशन बीच में आ गए। ईशान ने हंसते हुए कहा कि क्या बात हो रही है भाई? जरा मुझे भी बताओ, मैं भी सुनना चाहता हूं कि यह क्या जवाब दे रहा है। इससे पहले कि वैभव कुछ कहते, ईशान किशन दलीप ट्रॉफी के फाइनल मैच में उनके द्वारा लिए गए DRS के फैसले पर बात करने लगे।

वैभव के DRS लेने पर क्या बोले ईशान किशन

ईशान किशन और वैभव के बीच DRS लेने का क्रेडिट को लेकर मजेदार नोक-झोंक देखने को मिली। ईशान ने मजाक में कहा कि DRS लेने का असली इरादा भले ही उनका था, लेकिन ऐन मौके पर वैभव पास आ गए और पूरा क्रेडिट ले गए, जिसके बाद इंटरनेट पर यह मामला खूब छाया रहा। हालांकि ईशान ने हंसते हुए यह भी माना कि वैभव ने इस काम को बहुत अच्छे से संभाला और वे उनके लिए खुश हैं। इस पर वैभव ने तुरंत पलटवार करते हुए तंज कसा कि जब ईशान खुद मैदान से बाहर गए थे, तब बाहर बैठकर रिव्यू के फैसले कौन ले रहा था, यह भी तो सबको बताना चाहिए।

वैभव सूर्यवंशी को ईशान किशन ने बताया फ्यूचर कैप्टन

ईशान ने वैभव की तारीफ करते हुए कहा कि वे फ्यूचर में भारतीय टीम के कप्तान भी बन सकते हैं और देखना होगा कि वे आगे कैसा प्रदर्शन करते हैं। ईशान का मानना है कि वैभव एक बेहतरीन खिलाड़ी तो हैं ही, साथ ही दिल के भी बहुत अच्छे इंसान हैं जो टीम के हर साथी का पूरा ध्यान रखते हैं। ईशान ने यह भी कहा कि आने वाले दिनों में वैभव का खेल और ज्यादा खतरनाक बल्लेबाज बनेंगे।

रिजवान-इमाम का करियर खत्म होने की कगार पर, ड्रेसिंग-रूम से जानकारी लीक होने के आरोपों में NCCIA ने की पूछताछ

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम और उनका बोर्ड पिछले काफी समय से लगातार खबरों में बना हुआ है, जिसके पीछे बड़ी वजह इंग्लैंड दौरे के बीच स्क्वाड से अचानक 7 खिलाड़ियों को वापस घर बुलाना रहा है। पाकिस्तानी टीम को इंग्लैंड दौरे पर तीन टेस्ट मैचों की जारी सीरीज के पहले 2 मुकाबलों में शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा जिसके चलते पीसीबी ने 7 खिलाड़ियों को वापस बुला लिया जिसमें उनके अनुभवी खिलाड़ी मोहम्मद रिजवान और इमाम उल हक का नाम भी शामिल था। इन दोनों प्लेयर्स को लेकर काफी ज्यादा चर्चा भी देखने को मिली जिसमें अब इनका करियर भी खतरे में दिख रहा है। पाकिस्तानी क्रिकेट बोर्ड ने जहां दौरे पर खराब प्रदर्शन को लेकर रिव्यू शुरू कर दिया है तो वहीं रिजवान और इमाम को ड्रेसिंग-रूम से जानकारी लीक होने के आरोपों को लेकर पाकिस्तान की नेशनल साइबर क्राइम जांच एजेंसी यानी NCCIA के सामने पूछताछ के लिए पेश होना पड़ा।

इंग्लैंड दौरे पर पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के ड्रेसिंग रूम से जानकारी बाहर आने की शिकायत सामने आई थी, जिसको लेकर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की शिकायत पर अब इमाम उल हक और मोहम्मद रिजवान से साइबर क्राइम एजेंसी ने 10 सितंबर को पूछताछ की। पाकिस्तानी न्यूज पेपर द डॉन के अनुसार पीसीबी ने कुछ दिन पहले ऐलान किया था कि अनुशासन और व्यवहार से जुड़ी मीडिया रिपोर्टों के बाद एक आंतरिक अनुशासनात्मक जांच शुरू की है, जिसकी इंटरनल जांच चल रही है। वहीं इमाम और रिजवान से हुई NCCIA की पूछताछ को लेकर PCB के प्रवक्ता ने माना कि कुछ क्रिकेटरों को लेकर जांच की जा रही है, जिसमें अभी बोर्ड इसको लेकर कोई बयान नहीं देना चाहता है।

इमाम उल हक और मोहम्मद रिजवान को NCCIA से मिले नोटिस के बाद 10 सितंबर को लगभग चार घंटे तक पूछताछ की गई। वहीं PCB ने पहले ही दोनों खिलाड़ियों के मोबाइल फोन को NCCIA को सौंप दिए थे, जिनकी फोरेंसिक जांच भी की जा सकती है। वहीं इमाम और रिजवान ने NCCIA को लिखित जवाब देने के लिए पूछताछ के बाद समय मांगा है।

वैभव सूर्यवंशी के पास सुनहरा मौका, कहीं श्रेयस अय्यर चूर- चूर ना कर दें सपना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत बनाम अफगानिस्तान टी20 सीरीज के दौरान वैभव सूर्यवंशी के पास शानदार मौका है। उन्होंने अपना इंटरनेशनल डेब्यू तो पहले ही कर लिया है, लेकिन इस बार जो वे करने जा रहे हैं, वो पहली बार होगा। हालांकि देखना ये दिलचस्प होगा कि क्या कप्तान श्रेयस अय्यर उन्हें प्लेइंग इलेवन में मौका देंगे। इस बार भी भारत के स्क्वाड में तीन ओपनर शामिल किए गए हैं, लेकिन मौका किन्हीं दो को ही मिल जाएगा। ऐसे में बाहर कौन बैठेगा, ये देखना दिलचस्प होगा।

वैभव सूर्यवंशी ने 4 जुलाई 2026 को अपना पहला इंटरनेशनल मैच खेला था। इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए अपने पहले टी20 इंटरनेशनल मैच में वे केवल 14 रन बनाकर आउट हो गए थे। वैभव ने इंग्लैंड में तीन मैच खेले, लेकिन वहां उनका बल्ला नहीं चला। इसके बाद वे जिम्बाब्वे पहुंचे और वहां खेले गए तीन टी20 मैचों में से उन्होंने दो बार अर्धशतक लगाए। लेकिन अब तक वे भारत में कोई भी इंटरनेशनल मैच नहीं खेल पाए हैं। भारत और अफगानिस्तान के बीच 13 सितंबर को दिल्ली में होने वाले पहले टी20 इंटरनेशनल मैच में अगर वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग इलेवन में मौका मिला तो ये पहली बार होगा, जब वे भारत में इंटरनेशनल मैच खेलेंगे। वैसे तो वे घरेलू क्रिकेट में कई बार खेल चुके हैं और बड़े बड़े स्कोर भी बनाए हैं, लेकिन जब वे भारत की सरजमीं पर वे खेलने उतरेंगे तो कैसा रोमांच होगा, ये भी देखना होगा।

अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए बीसीसीआई ने जिस स्क्वाड का ऐलान किया है, उसमें तीन ओपनर हैं। वैभव सूर्यवंशी के अलावा अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन भी हैं। संजू को जिम्बाब्वे सीरीज के दौरान बाहर कर दिया गया था, लेकिन अब उसकी फिर से वापसी हो गई है। ईशान किशन पहले ही तीसरे नंबर पर खेल रहे हैं। ऐसे में तीन ओपनर्स में से किन्हीं दो को ही मौका मिलेगा।

टीम इंडिया की खराब फील्डिंग को लेकर दीप्ति शर्मा ने किया बचाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला टी20 एशिया कप 2026 में हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम का सेमीफाइनल मुकाबले में भी शानदार प्रदर्शन देखने को मिला, जिसमें उन्होंने बांग्लादेश को 40 रनों से मात देने के साथ अजेय रहते हुए फाइनल के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है। टीम इंडिया महिला एशिया कप के इतिहास में 10वीं बार फाइनल में पहुंचने में कामयाब रही है तो वहीं अब खिताब मैच से पहले टीम इंडिया की खराब फील्डिंग उनके लिए एक बड़ी चिंता जरूर बन गई है। टूर्नामेंट में अभी तक भारतीय महिला टीम की तरफ से बल्ले और गेंद से उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन देखने को मिला है लेकिन फील्डिंग में काफी सुधार की जरूरत दिख रही है। सेमीफाइनल मुकाबले के बाद टीम इंडिया की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने खराब फील्डिंग की चिंता को खारिज करने के साथ यह साफ किया कि टीम फाइनल मुकाबले में हर विभाग में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

कैच छूटना खेल का हिस्सा है

दीप्ति शर्मा जिनका अभी तक टूर्नामेंट में गेंद और बल्ले दोनों से शानदार प्रदर्शन देखने को मिला है उन्होंने सेमीफाइनल मुकाबले के बाद दिए अपने बयान में खराब फील्डिंग को लेकर सवाल किए जाने पर कहा कि कैच छूटना खेल का हिस्सा है, इसलिए इसको लेकर अधिक चिंता करने की जरूरत नहीं है। फील्डिंग के मामले में एक टीम के तौर पर हम अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। हम प्रैक्टिस के दौरान भी फील्डिंग पर काफी ध्यान दे रहे हैं। मुझे लगता है कि कभी-कभी ऐसा होता है, लेकिन हम फाइनल में तीनों विभागों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। बता दें कि बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में भी टीम इंडिया ने चार कैच छोड़े थे।

फाइनल के लिए हम हैं पूरी तरह से तैयार

भारतीय टीम जहां फाइनल के लिए अपनी जगह पक्की कर चुकी है तो वहीं उनका किस टीम से खिताबी मैच में मुकाबला होगा इसका फैसला डिफेंडिंग चैंपियन श्रीलंका और पाकिस्तान महिला टीम के बीच में होने वाले दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले के परिणाम से होगा। वहीं दीप्ति शर्मा ने खिताबी मैच को लेकर यह साफ कर दिया है कि टीम इंडिया फाइनल के लिए दोनों में से किसी भी टीम का सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

व्यापार

सुबह के झटके से संभला शेयर बाजार, सेंसेक्स ने लगाई 600 अंकों की छलांग

मुंबई (एजेंसी)। सुबह की तेज गिरावट के बाद शेयर बाजार ने शानदार रिकवरी की और दिन के निचले स्तर से सेंसेक्स करीब 600 अंक संभल गया। हालांकि, कारोबार के अंत में दोनों प्रमुख सूचकांक लाल निशान में बंद हुए। निवेशकों की नजर खासतौर पर एचडीएफसी बैंक समेत कुछ बड़े शेयरों की तेजी पर रही।

शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव का दौर जारी रहा। क्रूड ऑयल की कीमतों में उछाल और वैश्विक तनाव के कारण सुबह के सत्र में बिकवाली के जबरदस्त झटके झेलने के बाद, भारतीय इक्विटी सूचकांक निचले स्तरों से शानदार रिकवरी करने में सफल रहे। दिन के सबसे निचले स्तर से सेंसेक्स में करीब 600 अंकों की जबरदस्त छलांग देखने को मिली।

कारोबार के अंत में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) का सेंसेक्स 120.83 अंक (0.16%) की मामूली गिरावट के साथ 74,781.76 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) का निफ्टी 50 सूचकांक भी 79.70 अंक (0.34%) गिरकर 23,398.10 के करीब मजबूती से बंद होने में कामयाब रहा।

बाजार में कुल 1,773 शेयर बढ़त के साथ, 2,373 शेयर गिरावट के साथ और 190 शेयर बिना बदलाव के बंद हुए।

HDFC बैंक और डॉ. रेड्डीज ने कराई बाजार में रिकवरी

निफ्टी हीटमैप के मुताबिक, बैंकिंग और फार्मा शेयरों में आई खरीदारी के दम पर बाजार निचले स्तरों से संभल पाया।

टॉप गेनर्स स्टॉक्सः एचडीएफसी बैंक के शेयर में 2.08% की जोरदार तेजी रही और यह ₹708.25 पर बंद हुआ। इसके अलावा डॉ. रेड्डीज लेबोरेटरीज (+1.97%), टेक महिंद्रा (+1.00%), एचडीएफसी लाइफ (+0.73%), विप्रो (+0.66%) और कोटक बैंक (+0.59%) सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाले शेयरों में शामिल रहे। आईटीसी और इन्फोसिस भी हरे निशान में बंद हुए।

टॉप लूजर्स स्टॉक्सः दूसरी ओर, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज (-3.21%) और जेएसडब्ल्यू स्टील (-2.99%) में सबसे ज्यादा बिकवाली दर्ज की गई। इनके अलावा आयशर मोटर्स (-2.17%), टाटा स्टील (-2.02%), ओएनजीसी (-2.01%), मारुति (-1.51%) और एसबीआई (-1.39%) के शेयरों में भारी गिरावट रही।

बैंकिंग में तेजी, मेटल और रियल्टी पछाड़े गए

सेक्टोरल इंडेक्स पर नजर डालें तो निफ्टी प्राइवेट बैंक इंडेक्स 0.5% चढ़कर बंद होने में सफल रहा, जिसने पूरे बाजार को सहारा दिया।

अमेरिका का नया H-1B नियम बढ़ाएगा भारतीयों की टेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में काम करने वाले भारतीय टेक कर्मचारियों के लिए बड़ी खबर है। अमेरिकी सरकार ने H-1B सहित कई नॉन-इमिग्रेंट वीजा होल्डर्स को नौकरी जाने के बाद मिलने वाली अधिकतम 60 दिन की ग्रेस पीरियड खत्म करने का प्रस्ताव दिया है। अगर यह प्रस्ताव अंतिम नियम बन जाता है, तो नौकरी छूटने के बाद अमेरिका में रहकर नई नौकरी तलाशना काफी मुश्किल हो सकता है।

अमेरिकी डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी (DHS) ने E-1, E-2, E-3, H-1B, H-1B1, L-1, O-1 और TN वीजा धारकों के लिए मौजूदा 60 दिन की ग्रेस पीरियड खत्म करने का प्रस्ताव रखा है। इसका असर इन कर्मचारियों के साथ उनके कुछ डिपेंडेंट्स पर भी पड़ सकता है। H-1B वीजा खास तौर पर टेक्निकल और स्पेशलाइज्ड नौकरियों के लिए इस्तेमाल होता है। अमेरिकी टेक कंपनियां भारत और चीन जैसे देशों से बड़ी संख्या में स्किल्ड कर्मचारियों को इस वीजा के जरिए नियुक्त करती हैं। इसलिए नए प्रस्ताव का भारतीय IT प्रोफेशनल्स पर खास असर पड़ सकता है। मौजूदा नियमों के तहत नौकरी खत्म होने के बाद कर्मचारी को अधिकतम 60 दिन तक अमेरिका में रहकर नई नौकरी तलाशने या अपनी इमिग्रेशन स्थिति बदलने का मौका मिल सकता है। यह सुविधा नौकरी खुद छोड़ने या कंपनी द्वारा नौकरी खत्म किए जाने, दोनों स्थितियों में लागू होती है।

NSE IPO का हुआ ऐलान: 22,569 करोड़ के इश्यू के साथ 17 सितंबर से खुलेगा देश का बड़ा IPO

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) के बहुप्रतीक्षित IPO का इंतजार अब खत्म हो गया है। देश के सबसे बड़े स्टॉक एक्सचेंजों में शामिल एनएसई ने अपने आईपीओ का प्राइस बैंड तय कर दिया है। करीब एक दशक तक नियामकीय अड़चनों के कारण अटका रहा यह आईपीओ अब 17 सितंबर से निवेशकों के लिए खुलने जा रहा है। ₹22,569 करोड़ का यह इश्यू भारतीय शेयर बाजार के इतिहास में एक बड़ा आईपीओ बनने वाला है।

एनएसई का आईपीओ 17 सितंबर को खुलेगा और 21 सितंबर तक इसमें बोली लगाई जा सकेगी। कंपनी ने प्रति इक्विटी शेयर ₹1,700 से ₹1,785 का प्राइस बैंड तय किया है। एंकर निवेशकों के लिए बोली 16 सितंबर को खुलेगी। एनएसई के शेयरों की बाजार में लिस्टिंग 24 सितंबर को होने की उम्मीद है।

यह IPO पूरी तरह ऑफर फॉर सेल (OFS) होगा। इसके तहत मौजूदा शेयरधारक करीब 12.64 करोड़ इक्विटी शेयर बेचेंगे। ऊपरी प्राइस बैंड पर इश्यू का आकार करीब ₹22,569 करोड़ और निचले स्तर पर लगभग ₹21,494 करोड़ रहेगा। चूंकि यह ऑफर फॉर सेल है, इसलिए आईपीओ से मिलने वाली रकम एनएसई को नहीं, बल्कि शेयर बेचने वाले मौजूदा निवेशकों को मिलेगी।

₹22,569 करोड़ का एनएसई आईपीओ देश का दूसरा सबसे बड़ा सार्वजनिक निर्गम होगा। फिलहाल सबसे बड़े आईपीओ का रिकॉर्ड हुंडई मोटर इंडिया के ₹27,870 करोड़ के इश्यू के नाम है, जो 2024 में आया था। एनएसई का आईपीओ 2022 में आए ₹21,000 करोड़ के एलआईसी आईपीओ को पीछे छोड़ देगा।

IPO में 50 फीसदी हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (QIBs) के लिए, 15 फीसदी नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (NIIs) के लिए और 35 फीसदी हिस्सा रिटेल निवेशकों के लिए आरक्षित रहेगा। कर्मचारियों के लिए भी ₹70 करोड़ तक के शेयर रिजर्व किए गए हैं। एनएसई के कर्मचारियों को प्रति शेयर ₹170 की छूट मिलेगी।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की शेयर बाजार में लिस्टिंग की प्लानिंग लंबे समय से अटकी हुई थी। नियामकीय मंजूरी और को-लोकेशन विवाद समेत कई कारणों से आईपीओ का रास्ता साफ नहीं हो पा रहा था। अब सेबी की मंजूरी मिलने के बाद एनएसई करीब एक दशक बाद अपने बाजार डेब्यू की ओर बढ़ रहा है।

फास्टैग का बैंक बदलना हुआ आसान, नितिन गडकरी ने शुरू की नई सुविधा; Rajmarg Yatra ऐप से होगा पूरा काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। फास्टैग इस्तेमाल करने वाले वाहन मालिकों के लिए बड़ी राहत की खबर है। अब अगर आप अपने फास्टैग का बैंक बदलना चाहते हैं, तो आपको पुराने फास्टैग को हटाकर नया टैग लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (GFF) 2026 में 'OneTag' नाम की नई सुविधा लॉन्च की है। इसकी मदद से वाहन मालिक अपना मौजूदा NETC फास्टैग बरकरार रखते हुए उसका बैंक बदल सकेंगे।

क्या है OneTag सुविधा?

वनटैग को इंडियन हाईवेज मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (IHMCL) और नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) ने मिलकर तैयार किया है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि बैंक बदलने के बाद भी वाहन पर लगा वही फास्टैग इस्तेमाल किया जा सकेगा। अभी तक अगर कोई ग्राहक अपने फास्टैग का बैंक बदलना चाहता था, तो उसे पुराना फास्टैग बंद कराना पड़ता था। इसके बाद नए बैंक के साथ दोबारा प्रक्रिया पूरी करके नया फास्टैग लेना पड़ता था। इस पूरी प्रक्रिया में समय और ज्यादा परेशानी होती थी। अब वनटैग इस प्रक्रिया को काफी आसान बना देगा।

राजमार्ग यात्रा ऐप से होगा पूरा काम

वनटैग की सुविधा फिलहाल एनएचएआई के राजमार्ग यात्रा मोबाइल ऐप के जरिए उपलब्ध होगी। ऐप पर फास्टैग पोर्टेबिलिटी की प्रक्रिया पूरी की जा सकेगी। इसमें पहले ग्राहक की पात्रता की जांच होगी और फिर सुरक्षित तरीके से वैरिफिकेशन किया जाएगा। इसके बाद ग्राहक की सहमति लेने के बाद वह अपनी पसंद का नया बैंक चुन सकेगा। बैंक बदलने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद नए बैंक के साथ ऑनबोर्डिंग की जाएगी। खास बात यह है कि पोर्टेबिलिटी के बाद फास्टैग का Tag ID और वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर वही रहेगा। यानी वाहन पर लगा पुराना फास्टैग ही काम करता रहेगा।

पुराने और नए बैंक की क्या होगी जिम्मेदारी?

बैंक बदलने के दौरान पुराने बैंक की जिम्मेदारी पुराने वॉलेट से जुड़े मामलों को संभालने की होगी। इसमें वेरिफिकेशन, वॉलेट बैलेंस, रिफंड, पेंडिंग ट्रांजैक्शन और अन्य संबंधित मामलों का निपटारा शामिल है। वहीं, चुना गया नया बैंक पोर्टेबिलिटी पूरी होने के बाद ग्राहक की ऑनबोर्डिंग करेगा और फास्टैग से जुड़ी सेवाएं उपलब्ध कराएगा।

फास्टैग इस्तेमाल करने वालों को क्या फायदा?

वनटैग से ग्राहकों को बैंक चुनने की ज्यादा आजादी मिलेगी। बार-बार नया फास्टैग बनवाने और उसे वाहन पर चिपकाने की जरूरत कम होगी। इससे फास्टैग की दोबारा प्रिंटिंग, भेजना और री-इश्योरेंस से जुड़े खर्च भी कम हो सकते हैं।

म्यूचुअल फंड में निवेश का बढ़ा क्रेज

मुंबई (एजेंसी)। म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों के लिए अगस्त का महीना काफी मजबूत रहा। जुलाई में गिरावट के बाद अगस्त में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश एक बार फिर बढ़ गया। खास बात यह रही कि SIP के जरिए हर महीने होने वाला निवेश भी नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। AMFI के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, अगस्त में इक्विटी ओरिएंटेड स्कीम्स में कुल ₹29,328.62 करोड़ का नेट इनफ्लो हुआ।

अगस्त में इक्विटी फंड्स में आया ₹29,328.62 करोड़ का निवेश जुलाई के ₹24,697.39 करोड़ से करीब 19 फीसदी ज्यादा है। इससे पहले जुलाई में इक्विटी फंड्स में निवेश जून के मुकाबले करीब 15 फीसदी घट गया था। जून में इन स्कीम्स में ₹28,973 करोड़ का नेट इनफ्लो हुआ था। अगस्त के आंकड़े बताते हैं कि निवेशकों की इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में दिलचस्पी फिर बढ़ी है।

SIP निवेश के मामले में भी अगस्त ने नया रिकॉर्ड बनाया।

कलेक्टर व सीईओ ने प्रशिक्षणार्थियों से की मुलाकात, स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षण का अधिकतम लाभ लेने किया प्रेरित

दंतेवाड़ा (दैनंदिनी ब्यूरो)। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव एवं सीईओ जिला पंचायत एम. भार्गव ने जिले की अंतिम ग्राम पंचायत बोदली में भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) द्वारा आज से प्रारंभ किए जा रहे 30 दिवसीय राजमिस्त्री प्रशिक्षण एवं 10 दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षण लेने वाले ग्रामीण युवाओं एवं महिलाओं से मुलाकात कर उनसे प्रशिक्षण एवं उनके पूर्व के कार्यों के संबंध में जानकारी ली।

कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने प्रशिक्षणार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को कौशल प्रशिक्षण से जोड़कर उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने युवाओं को प्रशिक्षण को गंभीरता से लेने तथा प्राप्त कौशल का उपयोग कर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि राजमिस्त्री प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं को भवन निर्माण से संबंधित तकनीकी एवं व्यावहारिक कौशल प्राप्त होगा। इससे वे कुशल राजमिस्त्री के रूप में कार्य कर रोजगार एवं स्वरोजगार से जुड़ सकेंगे। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत जिले में स्वीकृत आवासों के निर्माण कार्यों को गति देने में भी स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षित युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। इसी प्रकार ग्रामीण महिलाओं को स्थानीय स्तर पर आय सृजन से जोड़ने के लिए मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण को उपयोगी बताते हुए कलेक्टर ने प्रशिक्षणार्थियों को इसका अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने कहा कि कम लागत में मशरूम उत्पादन शुरू कर महिलाएं अपने परिवार की आय बढ़ाने के साथ आत्मनिर्भर बन सकती हैं।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) 'बिहान' से जुड़ी स्व-सहायता समूह की महिलाओं को दिए जा रहे 10 दिवसीय प्रशिक्षण में मशरूम उत्पादन की तकनीक, कम लागत में उत्पादन, रख-रखाव, पैकेजिंग, विपणन एवं आय सृजन से संबंधित आवश्यक जानकारी और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। वहीं 30 दिवसीय राजमिस्त्री प्रशिक्षण के दौरान ग्रामीण युवाओं को भवन निर्माण से संबंधित तकनीकी एवं व्यावहारिक कौशल दिया जा रहा है।

प्रशिक्षण का उद्देश्य युवाओं को कुशल बनाकर रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ना तथा प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के कार्यों के लिए स्थानीय स्तर पर कुशल मानव संसाधन तैयार करना है। इस अवसर पर एसडीएम विवेक चंद्रा, सीईओ जनपद पंचायत गीदम, ग्राम पंचायत बोदली के सरपंच, तकनीकी सहायक, पंचायत सचिव, आरसेटी दंतेवाड़ा के फैकल्टी सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

सेवा के तीन वर्ष पूर्ण होने और जन्मदिवस पर शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों के साथ साझा की खुशियां

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर प्रदेश में संचालित 'न्योता भोजन' कार्यक्रम अब केवल अतिरिक्त भोजन उपलब्ध कराने की पहल नहीं, बल्कि विद्यालय, शिक्षक, समुदाय और विद्यार्थियों के बीच आत्मीय संबंधों को मजबूत करने का माध्यम बन रहा है। विशेष अवसरों को विद्यार्थियों के साथ साझा करने की इस पहल से विद्यालयों में जनभागीदारी और सामुदायिक सहभागिता की भावना लगातार सुदृढ़ हो रही है। सूरजपुर जिले के विद्यालयों में भी शिक्षक-शिक्षिकाएं अपने जन्मदिवस, सेवा पूर्ण होने सहित अन्य विशेष अवसरों पर विद्यार्थियों को न्योता भोजन कराकर खुशियां साझा कर रहे हैं। यह पहल बच्चों के लिए जहां उत्साह और प्रसन्नता का अवसर बन रही है, वहीं शिक्षकों में भी समाज और विद्यार्थियों के प्रति अपने दायित्व को और अधिक आत्मीयता से निभाने की भावना विकसित कर रही है।

विकासखंड रामानुजनगर की माध्यमिक शाला पटना की शिक्षिका सुश्री नलिनी कौशिक ने शासकीय सेवा के तीन वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों को न्योता भोजन कराया। अपने इस विशेष दिन को बच्चों के साथ साझा करते हुए उन्होंने कहा कि जिन बच्चों की शिक्षा और भविष्य के लिए वे सेवाएं दे रही हैं, उन्हीं के साथ सेवा के तीन वर्ष पूर्ण होने की खुशी मनाना उनके लिए बेहद संतोष और प्रसन्नता का विषय है।उन्होंने कहा कि शासन की 'न्योता भोजन' योजना एक सराहनीय और अभिनव पहल है। इसके माध्यम से हम अपने जीवन के विशेष अवसरों की खुशियां विद्यार्थियों के साथ साझा कर सकते हैं और उनके बीच अपनत्व की भावना को मजबूत कर सकते हैं। इसी तरह विकासखंड रामानुजनगर की माध्यमिक शाला परमेश्वरपुर की शिक्षिका सुश्री कमला सिदार ने अपने जन्मदिवस के अवसर पर विद्यार्थियों को न्योता भोजन कराया। शिक्षिका ने अपने विशेष दिन की खुशियां बच्चों के साथ साझा करते हुए उन्हें अतिरिक्त एवं पौष्टिक भोजन कराया। इस दौरान विद्यार्थियों में विशेष उत्साह और प्रसन्नता देखने को मिली। न्योता भोजन' कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को अतिरिक्त एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के साथ ही विद्यालय और समुदाय के बीच सहभागिता की भावना को भी मजबूती मिल रही है। शिक्षक-शिक्षिकाओं और समाज के विभिन्न वर्गों द्वारा विशेष अवसरों पर विद्यार्थियों के साथ खुशियां साझा करने से बच्चों में अपनत्व, समानता और सामुदायिक जुड़ाव की भावना विकसित हो रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर शुरू किए गए 'न्योता भोजन' कार्यक्रम से प्रदेश में लगातार लोग जुड़ रहे हैं। विभिन्न जिलों के विद्यालयों में शि क्ष क - शि क्षि का ओं , जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और समुदाय के सहयोग से न्योता भोजन का आयोजन किया जा रहा है। यह पहल प्रदेश में जनभागीदारी से पोषण और शिक्षा को सशक्त बनाने की दिशा में एक सकारात्मक उदाहरण बनकर उभर रही है।

फरसपाल व बारसूर के पर्यटन स्थलों का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

दंतेवाड़ा (दैनंदिनी ब्यूरो)। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने आज जिले के विकासखंड गीदम अंतर्गत फरसपाल एवं बारसूर क्षेत्र के विभिन्न पर्यटन स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पर्यटन स्थलों की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों से आवश्यक जानकारी ली तथा पर्यटन सुविधाओं के विकास एवं बेहतर व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रथम क्रम में कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने फरसपाल स्थित पर्यटन स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने स्थल के आसपास पार्किंग व्यवस्था को व्यवस्थित एवं सुविधाजनक बनाने, पर्यटकों की आवाजाही को सुगम करने तथा स्वच्छता एवं मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को स्थल की आवश्यकताओं के अनुरूप पार्किंग एवं अन्य सुविधाओं के विकास की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही पर्यटन स्थल के समीप उपलब्ध शासकीय भूमि का चिन्हांकन कर आवश्यकतानुसार पर्यटन सुविधाओं के विस्तार के लिए उपयोग करने की दिशा में कार्यवाही करने को कहा। कलेक्टर ने वन विभाग द्वारा तैयार किए जा रहे पर्यटन कॉटेज का भी निरीक्षण किया और कार्यों को शीघ्र पूर्ण कर उन्हें पर्यटकों के लिए जल्द प्रारंभ करने के निर्देश दिए, ताकि क्षेत्र में आने वाले पर्यटकों को ठहरने की बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सके। इसके पश्चात कलेक्टर ने बारसूर क्षेत्र के विभिन्न पर्यटन स्थलों का निरीक्षण किया। उन्होंने पर्यटकों की सुविधा, साफ-सफाई, पहुंच मार्ग सहित अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। कलेक्टर ने कहा कि जिले के पर्यटन स्थलों को व्यवस्थित एवं आकर्षक बनाने के साथ पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। बारसूर में पर्यटकों के ठहरने की सुविधा के लिए बनाए जा रहे कॉटेज का कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने अवलोकन किया। उन्होंने निर्माण कार्य की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने तथा निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण कर पर्यटकों के लिए सुविधा प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री आवास योजना के अधूरे आवास पूर्ण कराने के निर्देश

दंतेवाड़ा (दैनंदिनी ब्यूरो)। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशानुसार नगर पंचायत बारसूर के सभाकक्ष में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 1.0 के अंतर्गत वर्षों से अधूरे पड़े आवासों को पूर्ण कराने के संबंध में हितग्राहियों के साथ समीक्षा बैठक हुई।

बैठक में हितग्राहियों से आवास निर्माण कार्य में आ रही समस्याओं की जानकारी ली गई तथा उन्हें निर्धारित समय-सीमा में आवास पूर्ण करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया। इस नगर पंचायत क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना 1.0 के अंतर्गत कुल 51 अधूरे आवास चिन्हित किए गए हैं। नगर पंचायत की टीम द्वारा पूर्व में इन सभी आवासों का स्थल निरीक्षण कर हितग्राहियों को नोटिस जारी किया गया था तथा सितम्बर माह के भीतर आवास निर्माण पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। समीक्षा के दौरान ऐसे हितग्राहियों की स्थिति की जानकारी ली गई, जिन्होंने योजना की विभिन्न किस्तों की राशि प्राप्त करने के बावजूद निर्धारित निर्माण स्तर तक कार्य पूर्ण नहीं किया है। बैठक में बताया गया कि फाउंडेशन एवं प्लिंथ स्तर की राशि प्राप्त करने वाले हितग्राहियों को आगामी लिंटल स्तर तक, लिंटल स्तर की राशि प्राप्त करने वाले हितग्राहियों को रूफ स्तर तक तथा रूफ स्तर की राशि प्राप्त करने वाले हितग्राहियों को फिनिशिंग स्तर तक निर्माण कार्य पूर्ण करना था।

इसके बावजूद कई आवास वर्षों से अधूरे पड़े हैं। इस दौरान हितग्राहियों ने आवास निर्माण में आ रही वित्तीय एवं अन्य समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया। इस पर मुख्य नगरपालिका अधिकारी द्वारा बैंक से ऋण संबंधी उपलब्ध योजनाओं की जानकारी दी गई तथा निर्माण की प्रगति के अनुसार भुगतान की आवश्यक कार्यवाही भी की गई। इसके अलावा हितग्राहियों को शासन द्वारा निर्धारित समय-सीमा 30 सितम्बर 2026 तक प्रत्येक स्थिति में आवास निर्माण पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। उल्लेखनीय है कि नगर पंचायत द्वारा अधूरे आवासों का लगातार एक-एक कर निरीक्षण किया जा रहा है तथा हितग्राहियों से संपर्क कर निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के प्रयास किए जा रहे हैं।

जन शिक्षण संस्थान में हुआ महिलाओं का क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन

दंतेवाड़ा (दैनंदिनी ब्यूरो)। जन शिक्षण संस्थान दंतेवाड़ा से प्राप्त जानकारी अनुसार उक्त संस्थान में दिनांक 07 सितंबर से 08 सितंबर तक दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। उक्त कार्यक्रम का उद्देश्य अधिकारी, कर्मचारी एवीएन प्रशिक्षकों की कार्यक्षमता का विकास तथा, प्रशिक्षनार्थियों को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने हेतु आवश्यक जानकारी प्रदान करना था। इस संबंध में कार्यक्रम निदेशक कामिनी पटनायक ने बताया कि इस कार्यालय में बैंक ऋण और आवश्यक बैंकिंग प्रक्रिया की जानकारी, प्रशिक्षण के लिए उन्नत रोजगार और स्वरोजगार, बैंकिंग धोखाधड़ी और साइबर अपराध से बचाव के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। इसके साथ ही सखी सेंटर दंतेवाड़ा की काउंसलर पुष्पा भट्ट द्वारा महिला प्रतिभागियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए कौशल प्रशिक्षण के पश्चात रोजगार एवीएन स्वरोजगार से जुड़कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने, महिलाओं से हिंसा के प्रकरण, के संबंध में सखी केंद्र में आकर अपनी समस्या का समाधान करने को कहा गया। उक्त कार्यक्रम में जन शिक्षण संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी राजेंद्र प्रसाद सहायक कार्यक्रम अधिकारी शिव कुमार यादव फील्ड ऑफिसर अनिकेत कुमार लेखाकार जुम्मन सिंह ठाकुर सहित समस्त प्रशिक्षकों ने अपनी सहभागिता की।

केन्द्रीय विद्यालय में जीवन कौशल कार्यशाला का आयोजन

जशपुरनगर (दैनंदिनी ब्यूरो)। कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देशन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं नोडल अधिकारी राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत 10 सितंबर 2026 को केन्द्रीय विद्यालय जशपुर में विद्यार्थियों के लिए जीवन कौशल कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में विद्यालय की कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों में दैनिक जीवन की परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से सकारात्मक सोच विकसित करना तथा मानसिक एवं सामाजिक रूप से स्वस्थ व्यवहार को बढ़ावा देना था। कार्यशाला के दौरान जीवन कौशल के विभिन्न आयामों पर विस्तार से जानकारी दी गई। इनमें आत्म-जागरूकता, सहानुभूति, समस्या समाधान, निर्णय लेने की क्षमता, सृजनात्मक सोच, प्रभावी संप्रेषण, अंतर्वैयक्तिक संबंध, तनाव से निपटना, भावनाओं पर नियंत्रण एवं आलोचनात्मक सोच जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल रहे विद्यार्थियों को इन जीवन कौशलों को व्यवहारिक रूप से समझाने के लिए व्याख्यान, मॉडलिंग, खेल-कूद एवं विभिन्न गतिविधियों का उपयोग किया गया। गतिविधि आधारित शिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों को तनावपूर्ण परिस्थितियों में सकारात्मक सोच बनाये रखना, उचित निर्णय लेना, अपनी भावनाओं को नियंत्रित करना तथा दूसरों के साथ बेहतर संबंध स्थापित करने के बारे में बताया गया। कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थियों को यह संदेश दिया गया कि जीवन कौशल केवल शैक्षणिक सफलता के लिए ही नहीं, बल्कि बेहतर मानसिक स्वास्थ्य, आत्मविश्वास और स्वस्थ सामाजिक जीवन के लिए भी अत्यंत आवश्यक है।

कार्यशाला में जिला चिकित्सालय के साइकोलॉजिस्ट, सीनियर नर्सिंग अधिकारी एवं मनोसामाजिक कार्यकर्ता सहित संबंधित स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। वहीं केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने कार्यशाला के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

शिक्षा में एआई के उपयोग से लेकर स्वास्थ्य सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण तक, सीईओ ने दिए आवश्यक निर्देश

धमतरी (वीएनएस)। जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आवासीय विद्यालयों की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने और संस्थागत सुविधाओं को आवश्यकतानुरूप विकसित करने के उद्देश्य से जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जयंत नाहटा ने नगरी विकासखण्ड के ग्राम सलोनी और पथरीडीह स्थित विभिन्न संस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने संस्थाओं में उपलब्ध सुविधाओं, शैक्षणिक गतिविधियों, अधोसंरचना और विद्यार्थियों की आवश्यकताओं की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

नाहटा ने ग्राम सलोनी स्थित आदिवासी कन्या आश्रम का निरीक्षण कर विद्यार्थियों की पढ़ाई, आवासीय व्यवस्था, भोजन, स्वच्छता एवं अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के साथ आधुनिक तकनीक को शिक्षण प्रक्रिया का हिस्सा बनाया जाए। उन्होंने विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि नई तकनीकों के माध्यम से कठिन विषयों को भी सरल, रोचक एवं प्रभावी ढंग से समझाया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों की रचनात्मकता, जिज्ञासा और सीखने की क्षमता को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों पर भी ध्यान देने को कहा। आश्रम प्रबंधन द्वारा शिक्षक-पालक बैठक एवं अन्य सामुदायिक गतिविधियों के लिए शेड की आवश्यकता बताई गई, जिस पर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

आदिवासी कन्या आश्रम, उपस्वास्थ्य केन्द्र और एकलव्य आवासीय विद्यालय की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

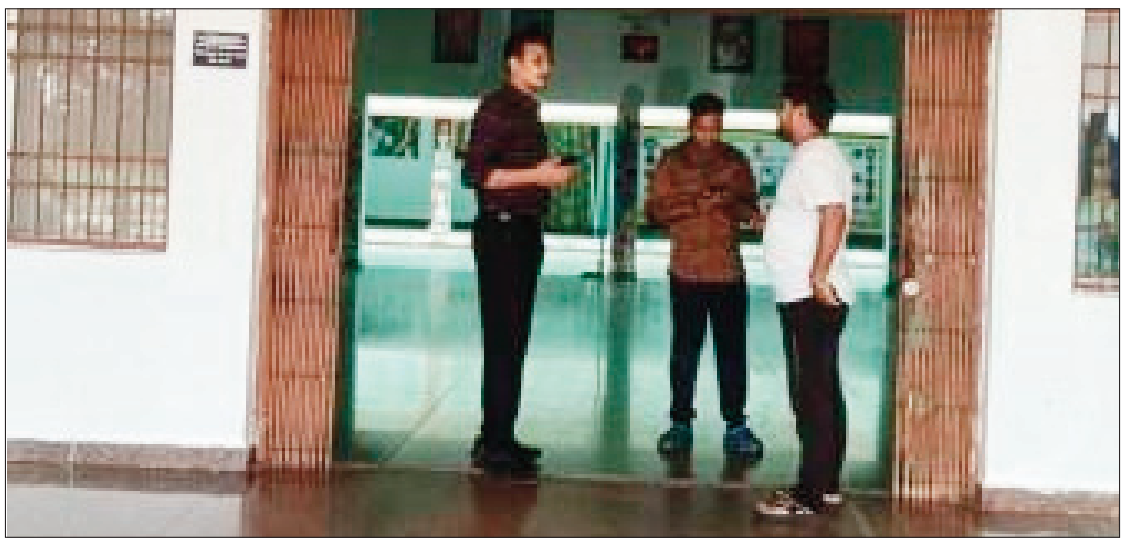

उपस्वास्थ्य केन्द्र सलोनी के निरीक्षण के दौरान नाहटा ने उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं, दवाइयों, प्रसव संबंधी सेवाओं, साफ-सफाई एवं आधारभूत व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में उपस्वास्थ्य केन्द्र आम नागरिकों के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं का महत्वपूर्ण आधार हैं, इसलिए यहां आवश्यक सुविधाएं सुचारू एवं उपयोगी स्थिति में रहनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान प्रसव कक्ष एवं शौचालय में मरम्मत की आवश्यकता सामने आई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तकनीकी परीक्षण कर आवश्यक मरम्मत कार्य शीघ्र कराने के निर्देश दिए। इसके बाद एकलव्य आवासीय विद्यालय पथरीडीह का निरीक्षण करते हुए उन्होंने शैक्षणिक गतिविधियों, छात्रावास व्यवस्था, खेल सुविधाओं एवं विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध संसाधनों की जानकारी ली। विद्यालय प्रबंधन द्वारा विद्यार्थियों के लिए ओपन जिम, 15 से 20 कम्प्यूटर तथा तीरंदाजी के प्रशिक्षित कोच की आवश्यकता बताई गई। नाहटा ने कहा कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास केवल कक्षा-कक्ष तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा के साथ खेल, व्यायाम, तकनीकी दक्षता और रचनात्मक गतिविधियों को भी समान महत्व दिया जाना चाहिए। उन्होंने ओपन जिम की आवश्यकता पर आवश्यक कार्रवाई, विद्यालय की जरूरत के अनुरूप कम्प्यूटर उपलब्ध कराने की संभावनाओं का परीक्षण तथा तीरंदाजी के लिए प्रशिक्षित कोच की व्यवस्था के निर्देश दिए। सीईओ जिला पंचायत ने अधिकारियों से कहा कि संस्थाओं से प्राप्त आवश्यकताओं का प्राथमिकता के आधार पर परीक्षण कर व्यवहारिक एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग के साथ-साथ विद्यार्थियों और ग्रामीण नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया।

राज्यपाल डेका ने विद्यार्थियों से किया संवाद, दिए सफलता के मंत्र

रायपुर ■ दैनन्दिनी

राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज लोक भवन में सैनिक स्कूल अंबिकापुर के विद्यार्थियों ने भेंट की और संवाद किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने विद्यार्थियों को सफलता के लिए अनुशासन, आत्मनियंत्रण और कठोर परिश्रम को जीवन का आधार बनाने की प्रेरणा दी। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि विद्यार्थी सौभाग्यशाली हैं कि उन्हें सैनिक स्कूल जैसी उत्कृष्ट शैक्षणिक संस्था में अध्ययन करने का अवसर मिला है। सैनिक स्कूल में विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ अनुशासन, समय की पाबंदी तथा शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का महत्व भी सिखाया जाता है। उन्होंने कहा कि सफलता का आधारभूत बिंदु अनुशासन है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पढ़ाई, नौकरी और करियर को लेकर तनाव एक बड़ी चुनौती है। तनाव का सामना करने के लिए हमें जो प्राप्त है, उसमें संतुष्ट रहना सीखना होगा। अपनी क्षमताओं को पहचानकर उसी के अनुरूप कार्य करना चाहिए। मन को नियंत्रित रखते हुए अपनी योग्यता और ऊर्जा को सही दिशा में लगाएंगे तो सफलता अवश्य मिलेगी।राज्यपाल ने कहा कि कठोर परिश्रम का कोई विकल्प नहीं है। योग्यता के साथ यदि निरंतर मेहनत की जाए तो सफलता प्राप्त करने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने लक्ष्य को निर्धारित करें और उसे प्राप्त करने के लिए पूरी लगन एवं मेहनत से प्रयास करें। गुरुजनों और पालकों की बातों को गंभीरता से सुनें, लेकिन निर्णय लेते समय अपने तर्क और बुद्धि का भी प्रयोग करें। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी 'थिंकिंग प्रोसेस' को हमेशा सक्रिय रखने की सलाह दी। संवाद के दौरान विद्यार्थियों ने राज्यपाल से उनके जीवन, करियर और सार्वजनिक जीवन से संबंधित अनेक प्रश्न पूछे। राज्यपाल ने विद्यार्थियों के प्रश्नों का सहजता से उत्तर देते हुए उन्हें अपने संवैधानिक पद के दायित्वों की जानकारी दी तथा अपने सार्वजनिक जीवन की यात्रा के अनुभव भी साझा किए। सैनिक स्कूल के विद्यार्थियों को लोक भवन का भ्रमण भी कराया गया। इस अवसर पर सैनिक स्कूल अंबिकापुर के शिक्षकगण भी उपस्थित थे।

विकास कार्यों में लेटलतीफी बर्दाश्त नहीं, तय समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करें: मुख्यमंत्री

खामभाठा में निर्माणाधीन पुल से बच्चों और ग्रामीणों को हो रही परेशानी को मुख्यमंत्री ने गंभीरता से लिया

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि प्रदेश में जनसुविधा से जुड़े विकास एवं निर्माण कार्यों को तय समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करना संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी है। निर्माण कार्यों में अनावश्यक देरी और कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारी निर्माणाधीन कार्यों की नियमित निगरानी करें और जहां भी कार्य की गति धीमी है, वहां बाधाओं को तत्काल दूर कर काम में तेजी लाएं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि विकास कार्यों में देरी का सीधा असर आम नागरिकों पर पड़ता है। विशेष रूप से सड़क, पुल-पुलिया, स्कूल और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े निर्माण कार्यों में समयबद्धता और गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनहित से जुड़े कार्यों में लेटलतीफी को गंभीरता से लिया जाएगा और अनावश्यक विलंब के लिए जिम्मेदारी तय की जाएगी।

इसी क्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने गरियाबंद जिले के मैनपुर विकासखंड अंतर्गत खामभाठा क्षेत्र में निर्माणाधीन पुल के कारण स्कूली बच्चों एवं ग्रामीणों को आवागमन में हो रही परेशानी की जानकारी मिलते ही इसे गंभीरता से लिया। उन्होंने गरियाबंद कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा से दूरभाष पर चर्चा कर वस्तुस्थिति की जानकारी ली और निश्चित समयसीमा तय कर पुल का निर्माण गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा कराने के निर्देश दिए। साथ ही लेटलतीफी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों से जवाब तलब करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पुल का निर्माण पूरा होने तक स्कूली बच्चों और क्षेत्रवासियों को किसी भी परिस्थिति में जोखिम उठाकर आवागमन न करना पड़े, इसके लिए जिला प्रशासन तत्काल सुरक्षित और सुगम वैकल्पिक आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित करे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने निर्माणाधीन पुल स्थल पर सुरक्षा के सभी आवश्यक प्रबंध तत्काल करने के निर्देश दिए। उन्होंने खुले एवं खतरनाक तरीके से लगे सरियों को सुरक्षित करने, गहरे गड्ढों और अन्य जोखिमपूर्ण स्थानों को दुरुस्त करने तथा आवश्यकता के अनुसार बैरिकेडिंग सहित सभी जरूरी सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने को कहा। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी जिला कलेक्टरों को निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी करने के निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण में आ रही बाधाओं का तत्काल समाधान किया जाए और कार्य में तेजी लाई जाए। अधिकारी पूरी संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य करें तथा यह सुनिश्चित करें कि स्वीकृत विकास कार्यों का लाभ नागरिकों को निर्धारित समय पर मिले। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनसुविधा और नागरिकों की सुरक्षा से जुड़े विकास कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी।

निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समय-सीमा से कोई समझौता नहीं, अधिकारियों को कार्य संस्कृति में बदलाव के निर्देश

रायपुर ■ दैनन्दिनी

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज दंतेवाड़ा में लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगरीय प्रशासन एवं विकास तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर कार्यों की समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने चारों विभागों के स्वीकृत, निर्माणाधीन एवं प्रस्तावित कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा कर कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने, गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा योजनाओं का लाभ नागरिकों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के निर्देश व्यवस्थित एवं नागरिकों के अनुकूल रखने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत बनाए जा रहे आवासों के निर्माण में तेजी लाने तथा निर्माणाधीन आवासों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जल जीवन मिशन की पूर्ण हो चुकी योजनाओं को संचालन के लिए ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित करने को कहा। उन्होंने प्रगतिरत नल जल योजनाओं को शीघ्र पूरा करने तथा ठेकेदारों व संबंधित एजेंसियों के लंबित बिलों के भुगतान के निर्देश दिए। उन्होंने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर जल

दिए। श्री साव ने अधिकारियों और निर्माण एजेंसियों को निर्देशित करते हुए कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता और समय-सीमा से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को अपनी कार्य शैली और कार्य संस्कृति में बदलाव लाते हुए परिणाम आधारित कार्य करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री देवेश ध्रुव भी समीक्षा बैठक में उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने बैठक में कहा कि लोक निर्माण विभाग सहित सभी निर्माण एजेंसियां सड़कों, भवनों, पुल-पुलियों एवं अन्य निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें। निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण कराना अधिकारियों की जिम्मेदारी है। कार्यों में अनावश्यक विलंब होने पर जवाबदेही तय कर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी शासकीय कार्यालयों एवं परिसरों को स्वच्छ, आपूर्ति योजनाओं का प्रभावी संचालन सुनिश्चित करने को कहा। श्री साव ने बरसात की समाप्ति के तुरंत बाद सभी निर्माण कार्यों में तत्परता से गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आज की समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों का गंभीरता से पालन सुनिश्चित करें। सभी अधिकारी अपने दायित्वों का पूरी गंभीरता, सक्रियता और जवाबदेही के साथ निर्वहन करें। विकास कार्यों और योजनाओं के क्रियान्वयन का असर धरातल पर दिखाई देना चाहिए। वनमंडलाधिकारी श्री रामाकृष्ण रंगानाथा वाय. और अपर कलेक्टर श्री राजेश पात्रे सहित लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगरीय प्रशासन एवं विकास तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के बस्तर संभागीय कार्यालय और दंतेवाड़ा जिला कार्यालय के अधिकारी बैठक में मौजूद थे।

स्पा सेंटर पर पुलिस की रेड, आपत्तिजनक सामग्री मिलने के बाद किया गया सील

रायपुर ■ दैनन्दिनी

राजधानी रायपुर के देवेंद्र नगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक स्पा सेंटर के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस टीम ने इशवा लग्जरी स्पा सेंटर में रेड कार्रवाई कर जांच की, जहां चेकिंग के दौरान आपत्तिजनक सामग्री मिलने के बाद सेंटर को सील कर दिया गया है। पुलिस के मुताबिक, 10 सितंबर को वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में देवेंद्र नगर क्षेत्र स्थित स्पा सेंटर की जांच की गई। जांच और पूछताछ के दौरान पुलिस ने आरोप लगाया कि स्पा सेंटर के संचालक और मैनेजर द्वारा युवतियों से जबरन देह व्यापार कराया जा रहा था। मामले में पुलिस ने स्पा सेंटर के संचालक हरविंदर सिंग ग्रोवर, निवासी टिकरापारा और मैनेजर मुकेश कुमार वर्मा, निवासी भिलाई-3 के खिलाफ थाना देवेंद्र नगर में अपराध क्रमांक 152/2026 दर्ज किया है। दोनों के खिलाफ अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम, 1956 (PITA Act) की धारा 4, 5 और 7 के

तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। पुलिस ने अनैतिक गतिविधियों के संचालन को गंभीरता से लेते हुए आगे की कार्रवाई की। इसी क्रम में 11 सितंबर को पुलिस और नगर निगम की संयुक्त टीम ने इशवा लग्जरी स्पा सेंटर को सील कर दिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में अनैतिक गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

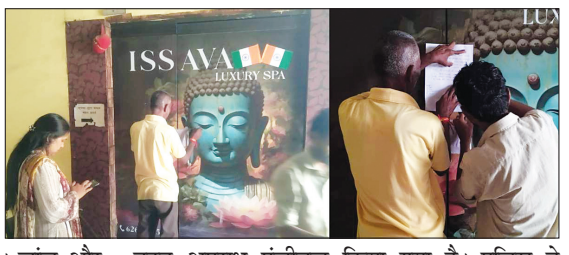

एक ही दिन में चोरी-धोखाधड़ी के कई मामले दर्ज

रायपुर ■ दैनन्दिनी

राजधानी में चोरी और धोखाधड़ी के कई मामले सामने आए हैं। अलग-अलग थाना क्षेत्रों में दर्ज प्रकरणों में अज्ञात चोरों ने नकदी, कॉपर वायर और दोपहिया वाहन चोरी कर लिए। वहीं नौकरी लगाने का झांसा देकर 3.78 लाख रुपए की धोखाधड़ी का मामला भी सामने आया है। तेलीबांधा पुलिस ने अवैध चाकू के साथ एक युवक को गिरफ्तार करने के साथ ही गांजा तस्करी के मामले में भी कार्रवाई की है। ऑटो से 1.60 लाख रुपए पारः सिविल लाइन थाना क्षेत्र में ममता जतवारी ने शिकायत दर्ज कराई कि वह ऑटो रिक्शा से मल्टीलेवल पार्किंग से भनपुरी चौक जा रही थीं। इसी दौरान अज्ञात व्यक्ति ने उनके पर्स में रखे 1.60 लाख रुपए नकद चोरी कर लिए। पुलिस ने बीएनएस की धारा 305-बी के तहत मामला दर्ज किया है।दुकान का ताला तोड़कर कॉपर वायर चोरीः खमतराई थाना क्षेत्र के रावांभाठा स्थित बीएच कंपनी में अज्ञात चोर ने दुकान का ताला तोड़कर अंदर रखे करीब 600 मीटर कॉपर वायर, कीमत 95 हजार रुपए चोरी कर लिए। घटना 9 सितंबर की रात करीब 1 बजे की बताई गई है।

AITA महासचिव पद के चुनाव में उतरेंगे गुरुचरण सिंह होरा, भारतीय टेनिस को नई दिशा देने का संकल्प

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ प्रदेश टेनिस संघ (CSTA) के मानद सचिव गुरुचरण सिंह होरा ने आगामी ऑल इंडिया टेनिस एसोसिएशन (AITA) के चुनाव में महासचिव पद के लिए चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है। आज प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने अपने संदेश में कहा कि टेनिस उनके लिए केवल खेल नहीं, बल्कि जिम्मेदारी और आजीवन प्रतिबद्धता है। गुरुचरण सिंह होरा ने कहा कि उन्होंने जमीनी स्तर से लेकर राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक टेनिस के विकास, खिलाड़ियों के समर्थन और खेल प्रशासन के ढांचे को मजबूत करने के लिए लगातार काम किया है। उन्होंने मैकेनिकल इंजीनियरिंग की शिक्षा लेने के साथ व्यवसाय के क्षेत्र में कार्य किया, लेकिन खेल प्रशासन में पेशेवर और संरचनात्मक सोच को प्राथमिकता दी। महासचिव होरा ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री व छत्तीसगढ़ ओलम्पिक संघ के अध्यक्ष विष्णुदेव साय एवं छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के महासचिव विक्रम सिंह सिसोदिया के खेलों के विकास और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खेलों के लिए बेहतर वातावरण तैयार करने और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने की दिशा में लगातार सकारात्मक प्रयास किए जा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ टेनिस संघ के अध्यक्ष डॉ. हिमांशु द्विवेदी का आशीर्वाद- उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश टेनिस संघ के अध्यक्ष डॉ. हिमांशु द्विवेदी का आशीर्वाद और मार्गदर्शन उनके साथ है। डॉ. द्विवेदी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में टेनिस को नई ऊंचाइयां मिली है और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं एवं अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में

महत्वपूर्ण काम हुआ है। देश के सभी जिलों में वरिष्ठों के मार्गदर्शन और सहयोग के साथ वे भारतीय टेनिस के विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करना चाहते हैं।

कई महत्वपूर्ण पदों पर निभा चुके हैं जिम्मेदारी होरा वर्तमान में AITA के संयुक्त सचिव (अंतरिम) और छत्तीसगढ़ राज्य टेनिस एसोसिएशन के महासचिव हैं। इसके अलावा वे 1994 से यूनियन क्लब, रायपुर के अध्यक्ष/सचिव की भूमिका में रहे हैं। वे 2020 से 2024 तक छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव तथा 1989 से 2002 तक छत्तीसगढ़ शतरंज एसोसिएशन के सचिव भी रह चुके हैं। 1996 से 2000 तक उन्होंने रायपुर डिविजनल क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाली है।

खेल प्रशासन के क्षेत्र में अनुभव- डेविस कप टाई, कॉमनवेल्थ गेम्स और विंबलडन चैंपियनशिप जैसे अंतरराष्ट्रीय आयोजनों से जुड़कर काम करना भी शामिल है। उन्होंने डेविस कप टाई भारत बनाम टोगो (फरवरी 2025, नई दिल्ली) तथा भारत बनाम स्विट्जरलैंड (2025) में सेवा दी। अक्टूबर 2023 में डरबन, दक्षिण अफ्रीका में भारतीय टेनिस टीम के साथ डेविस कप में भी सेवा दी। वे 2010 नई दिल्ली कॉमनवेल्थ गेम्स में सेवा दे चुके हैं। इसके अलावा 2022 में भारत बनाम डेनमार्क और 2023 में भारत बनाम मोरक्को डेविस कप में AITA के कार्यकारी सदस्य के रूप में भी जुड़े रहे। वर्ष 2025 में लंदन में आयोजित विंबलडन चैंपियनशिप में भाग लेकर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय टेनिस प्रणालियों का अनुभव प्राप्त किया।

अंतरराष्ट्रीय टेनिस अकादमी में भी योगदान-होरा ने बताया कि CSTA के मानद सचिव के रूप में उन्होंने रायपुर में अंतरराष्ट्रीय टेनिस अकादमी की स्थापना में भी योगदान दिया है। करीब 25 करोड़ रुपये के निवेश से विकसित इस अकादमी का उद्देश्य खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

गोदाम के वॉशरूम में कैमरा!

धरसीवां। राजधानी रायपुर के सिलतरा क्षेत्र स्थित गिरौद गांव में अमेजन के लॉजिस्टिक पार्टनर यू सेन लॉजिस्टिक के गोदाम में काम करने वाले युवक-युवतियों ने वहां कार्यरत कुछ अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मामले को लेकर बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने सिलतरा थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि गोदाम में कार्यरत कुछ अधिकारी कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार करते हैं। वहीं, युवकों ने आरोप लगाया है कि उनके वॉशरूम में कैमरा लगाया गया है। दूसरी ओर, महिला कर्मचारियों का आरोप है कि कुछ अधिकारी उनके साथ आपत्तिजनक और अश्लील बातें करते हुए डेट पर चलने जैसी बातें करते हैं। बड़ी संख्या में कर्मचारी एकजुट होकर सिलतरा पुलिस थाने पहुंचे और पूरे मामले की लिखित शिकायत की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है। जांच के बाद तथ्यों के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी। वहीं, जिन अधिकारियों पर आरोप लगाए गए हैं, उनमें से एक अधिकारी से उनका पक्ष जानने का प्रयास किया गया। हालांकि, पत्रकारों को देखकर वह थाना परिसर से इधर-उधर चले गए और अपना पक्ष नहीं रखा। फिलहाल पुलिस जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि कर्मचारियों द्वारा लगाए गए आरोपों में कितनी सच्चाई है और मामले में आगे क्या कार्रवाई की जाएगी।

भूपेश बघेल के निवास में धूमधाम से मनाया गया तीजा पोरा तिहार

रायपुर ■ दैनन्दिनी

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सिविल लाइन रायपुर स्थित निवास में शुक्रवार को तीजा पोरा तिहार का आयोजन किया गया। प्रदेश के अलग-अलग जिलों से बड़ी संख्या में महिलाएं तीजा पोरा मनाने पहुंची थी। कांग्रेस की महिला विधायक, कार्यकर्ता, पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। महिलाओं ने पारंपरिक तरीके से तीजा पोरा तिहार मनाया। इस दौरान महिलाओं ने छत्तीसगढ़ लोक गीतों पर जमकर डांस किया। रईचुली झूला का भी लुत्फ उठाया। लोक गायिका ममता चंद्राकर ने भी गाना गाकर महिलाओं को नाचने पर मजबूर किया। पूरे परिसर में उत्साह और उमंग का माहौल नजर आया। इस दौरान

महिलाओं ने एक-दूसरे को तीजा पोरा की शुभकामनाएं भी दी। आयोजन को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि यहां विधायक, कार्यकर्ता, पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि बहनें उपस्थित हैं। तीजा, पोरा का तिहार है और गणेश चतुर्थी भी नजदीक है। प्रदेशवासियों को तीजा पोरा और गणेश चतुर्थी की बधाई। तीजा पोरा का त्योहार हमारे लिए बहुत खास है और सभी मिलकर इसे उत्साह के साथ मना रहे हैं।

डर और लालच के जाल से बचें साइबर ठगी से रहें सतर्क

रायपुर। साइबर अपराधी लोगों को ठगी का शिकार बनाने के लिए डर और लालच को हथियार बना रहे हैं। कभी फ्री गिफ्ट और भारी छूट का झांसा दिया जाता है तो कभी पुलिस या अन्य सरकारी एजेंसी के नाम पर डराकर डिजिटल अरेस्ट की धमकी दी जाती है। जागरूकता की कमी के कारण लोग इन जालसाजों के झांसे में आकर अपनी मेहनत की कमाई गंवा देते हैं। साइबर ठगी से बचने के लिए लोगों को लालच भरे ऑफर से सावधान रहने की सलाह दी गई है। मुफ्त उपहार, भारी छूट या अन्य अवास्तविक ऑफर देने वाले संदिग्ध लिंक पर क्लिक नहीं करना चाहिए। इसी तरह पुलिस या किसी सरकारी अधिकारी के नाम से आने वाले डरावने फोन और संदेशों से घबराने के बजाय उनकी सत्यता की जांच करनी चाहिए। किसी भी सरकारी एजेंसी द्वारा फोन पर डिजिटल अरेस्ट जैसी कार्रवाई नहीं की जाती।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **ब्रजेश शुक्ला** द्वारा नगर निगम कार्यालय के पीछे, मुकुटनगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं आसमां पब्लिशर्स जयस्तंभ चौक रायपुर से मुद्रित। **संपादक- ब्रजेश शुक्ला,** RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com